सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शनिवार, 21 दिसंबर 2024 | वर्ष: 02, अंक: 306, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पन्नू की धमकी पर भारत ने अमेरिका से उठाया राजदूत की सुरक्षा का मुद्दा

नई दिल्ली

भारत ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की भारतीय राजदूत को दी गई धमकी पर अमेरिकी सरकार से उनकी सुरक्षा चिंताओं का मुद्दा उठाया है। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा को धमकी दिए जाने के मामले में स्थानीय अधिकारियों से संपर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि जब भी इस तरह की धमकियां दी जाती हैं हम उन्हें गंभीरता से लेते हैं। इस संबंध में अमेरिकी सरकार से बात की गई है। हमें आशा है कि अमेरिकी सरकार हमारी सुरक्षा चिंताओं को गंभीरता से लेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान के बैलस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के बारे में भारत अपने सुरक्षा हितों के प्रति पूरी तरह सजग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि देश की सुरक्षा और हितों पर असर डालने वाले पूरे घटनाक्रम पर भारत गहरी नजर रखता है। इस संबंध में सभी आवश्यक उपाय भी किए जाते हैं। प्रवक्ता से अमेरिकी सरकार की ओर से पाकिस्तान के बैलस्टिक मिसाइल से जुड़ी चार संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए जाने के बारे में पूछा गया था।

अनशन कर रहे किसान नेता डल्लेवाल बेहोश

-आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने गरीबों और बुजुर्गों को किया बेफिक्र

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के कॉरपोरेट मामलों और सड़क, परिवहन तथा राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने आज यहां परिवहन भवन में एक प्रेस कान्फ्रेंस में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना, आधार और मोबाइल (जेएम) त्रिनिटी योजनाओं, डिजिटल लेनदेन और आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) ने कैसे लोगों की जिंदगी में अभूतपूर्व और सम्मानजनक बदलाव किया है। मल्होत्रा ने कहा कि 2014 से मोदी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही है और पिछले 10 वर्षों में 140 करोड़ नागरिकों के लिए 200 से अधिक योजनाएं लॉन्च की गई हैं। मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश की एक बड़ी आबादी को बैंकिंग सिस्टम में शामिल करके उनके जीवन को सरल बनाया है। मौजूदा समय में 54 करोड़ से अधिक बैंक खाते हैं, जिनमें कुल जमा राशि लगभग 2.39 लाख करोड़ रुपये हैं। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण, अर्ध-शहरी इलाकों और महिलाओं में सफल रही है, जिसमें लगभग 66% खाते इन क्षेत्रों से आते हैं। इसके अलावा 37.02 करोड़ रूपे कार्ड उन खाता धारकों को जारी किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि जिस आधार-मोबाइल लिंकिंग की महत्वाकांक्षी योजना का विपक्ष ने मजाक उड़ाया था, वह अब प्रधानमंत्री जनधन योजना के साथ मिलकर दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम बन गया है। अब, केंद्र सरकार से जारी प्रत्येक रुपया बिना किसी बिचौलिए के सीधे संबंधित लाभार्थी तक पहुंचता है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को और भी बढ़ावा मिला है।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य का लोगों ने उठाया लाभ

राज्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) को 23 सितंबर, 2028 को लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को 5 लाख प्रति वर्ष स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। वर्तमान में यह योजना देशभर के 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में लागू है। इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के परिवार और 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को भी अब इसके दायरे में शामिल कर दिया गया है। प. बंगाल और दिल्ली में यह योजना वहां की सरकारों की हठधर्मिता के कारण नहीं लागू हो पाई जबकि ओडिशा की मौजूदा राज्य सरकार इसे लागू कर रही है।

जेएएम त्रिनिटी ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से संभव बनाया

जेएएम त्रिनिटी ने इस प्रगति को विशेष रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से संभव बनाया। इस प्रणाली ने न केवल यह सुनिश्चित किया कि सब्सिडी और लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचे, बल्कि भ्रष्टाचार को भी घटाया और नकली लाभार्थियों को समाप्त किया। 14 अगस्त, 2024 तक जनधन के प्रत्येक बैंक खाते में औसत जमा 4352 रुपये है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। दिल्ली में अकेले 65 लाख पीएम जनधन खाते हैं, जिनमें 3114 करोड़ की कुल जमा राशि है और 50 लाख रूपे कार्ड लाभार्थी हैं। पीएम उज्ज्वला योजना से 2,59,000 महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। मंत्री ने बताया कि पीएमजीडीवाई ने न केवल करोड़ों भारतीयों के लिए वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है, बल्कि भारत को डिजिटल वित्तीय समावेशन में वैश्विक नेता के रूप में उभारा है। लगभग 10 करोड़ नकली लाभार्थियों को सिस्टम से बाहर किया गया है,

जिससे 2.75 लाख करोड़ रुपये का गलत हाथों में जाने से बचाव हुआ है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई लेनदेन 200 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जो 2017-18 की तुलना में 138% अधिक है। उन्होंने बताया कि भारत ने कोविड वैक्सीन का विकास करने में पांचवां स्थान प्राप्त किया और दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 2026 तक पूरा बनकर हो जाएगा तैयार: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (डीएमई) पूरी तरह से साल 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने शुक्रवार को परिवहन भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि यह विलंब कुछ तकनीकी अड़चनों के आ जाने की वजह से हो रहा है। इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य जनवरी 2023 तय किया गया था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह समय सीमा कई बार बढ़ाई गई। देरी होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि काम चल रहा है और यह जल्दी पूरा हो जाएगा। एक्सप्रेसवे के लिए किसानों तथा अन्य लोगों से जमीन का अधिग्रहण किया जाता है, जिसमें कई बार तकनीकी और व्यावहारिक अड़चन आ जाती है। इसके कारण इस तरह की लम्बी दूरी की सड़कों का निर्माण समय पर पूरा करने में विलंब हो जाता है। इस प्रक्रिया में कई राज्य सरकारें शामिल हैं और भूमि अधिग्रहण राज्य का मामला है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की आधारशिला मार्च 2019 में रखी गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के सोहना और राजस्थान के दौसा के बीच पहले खंड का उद्घाटन फरवरी 2023 में किया था।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

मिशन शक्ति अभियान के तहत किया महिलाओं को जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/जिला अस्पताल/विद्यालय/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस क्रम में थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा शीतला माता मंदिर मे जाकर,थाना मोहब्बतपुर पइंसा पुलिस टीम द्वारा ग्राम अनेठा मे जाकर,थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा चावल मंडी कस्बा सराय अकिल मे भ्रमण कर,महिला थाना पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र मे भ्रमण कर तथा थाना कौशाम्बी,थाना संदीपन घाट,थाना कोखराज एवं थाना सैनी पुलिस टीम अपने अपने थाना क्षेत्र मे भ्रमण कर/चौपाल लगाकर/कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/छात्राओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे- *(1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि* के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

कोड़ापुर के विद्युत ओटीएस कैंप में 2 लाख रुपए राजस्व जमा

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। प्रदेश सरकार द्वारा बिजली बिलों के बकाए में ब्याज पर भारी छूट देने के निर्देश पर बिजली विभाग द्वारा विद्युत कैंप लगाकर उपभोक्ताओं से राजस्व जमा कराया जा रहा है। उपखंड अधिकारी विद्युत फूलपुर अमन सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को फूलपुर ग्रामीण क्षेत्र के जेई अशोक कुमार एवं जेई विजय कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को कोड़ापुर गांव के दुल्मापुर मौजे में कामन सर्विस सेंटर पर विद्युत कैंप का आयोजन किया गया जिसमे बिजली विभाग के टीम द्वारा गांव में उपभोक्ताओं के घर घर जाकर उक्त ओ टी एस योजना का प्रचार प्रसार किया गया साथ ही उपभोक्ताओं को एक मुफ्त समाधान योजना के लिए प्रेरित करते हुए बकाया बिजली बिलों के भुगतान के लिए दबाव बनाकर कुल लगभग 2 लाख रुपए का राजस्व जमा कराया गया जो लोग अपने बिजली बकाया ब्लॉक भुगतान नहीं जमा कर सके उनके बिजली कनेक्शन को काट भी दिया गया इससे विद्युत उपभोक्ताओं में हड़कंप मचा रहा जेई बिजली अशोक कुमार एवं विजय कुमार ने बताया कि यदि समय से उपभोक्ता अपने बिजली बिलों का भुगतान नहीं जमा करते है तो उनके बिजली कनेक्शन काटते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उक्त मौके पर विद्युत कर्मचारी नौशाद अहमद उर्फ गुड्ड,जितेंद्र यादव उर्फ बड़े,वकील अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अवैध तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मऊआइमा पुलिस अपराधियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक युवक को तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिखा पढ़ी करते हुए जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक मऊआइमा वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में वांछित चल अपराधियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त मोहम्मद आमिर पुत्र मोहम्मद जाबेद निवासी मोहल्ला हजियाना कस्बा मऊआइमा थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना मऊआइमा क्षेत्रान्तर्गत पशु चिकित्सालय कार्यालय गेट के पास से 01 अवैध तमंचा .315 बोर व 01 कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 अमरेन्द्र सिंह,. चौकी प्रभारी अनुराग शर्मा. उ0नि0 आनन्द वर्मा. उ0नि0 समीर यादव, थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

लूट की 4 घटनाओं का खुलासा

अन्तर्राज्यीय गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

कब्जे से जेवरात व अन्य सामान बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण एवं जनपद में घटित टप्पेबाजी की घटनाओं के अनवारण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को स्वाट/सर्विलांस व थाना कोतवाली नगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा डिजिटल डेटा व मैनुअल इंटेलीजेंस की मदद से कोतवाली नगर में 4 घटनाओं का अनावरण करते हुए 05 शातिर अभियुक्तों गोपाल प्रजापति पुत्र छबिलाल प्रजापति निवासी मोहल्ला टोनिका सिटी गली नं0 01 गिरजाघर के पीछे थाना टोनिका सिटी जनपद गाजियाबाद मूल निवासी पटेल नगर जानकी दास हास्पिटल दिल्ली, रतन लाल पुत्र हरीलाल निवासी चंचल पार्क अमरूद वाली बाग 766 कोटिला बिहार फैज द्वितीय थाना नरौला दिल्ली, रौनक सोलंकी पुत्र रतन लाल निवासी चंचल पार्क अमरूद वाली बाग 766 कोटिला बिहार फैज द्वितीय थाना नरौला दिल्ली, गंगा देवी पत्नी रतन लाल निवासी चंचल पार्क अमरूद वाली बाग 766 कोटिला बिहार फैज द्वितीय थाना नरौला दिल्ली, 5. आरती प्रजापति पत्नी गोपाल प्रजापति निवासी मोहल्ला टोनिका सिटी गली न0 01 गिरजाघर के पीछे थाना टोनिका सिटी जनपद गाजियाबाद मूल निवासी पटेल नगर जानकी दास हास्पिटल दिल्ली को गिरफ्तार किया गया एवं 02 बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से जनपद में कारित की गई टप्पेबाजी की घटनाओं से सम्बन्धित जेवरात एवं इलेक्ट्रानिक तराजू, 05 मोबाइल फोन आदि सामान बरामद किया गया।

पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्तगण का एक गिरोह है जिनके द्वारा जनपद बाराबंकी, लखनऊ, गाजीपुर एवं बिहार, मध्य प्रदेश आदि अन्य प्रान्तों में भी ठगी व लूट की घटनाएं कारित की गई हैं। अभियुक्तगण द्वारा कम्बल या अन्य सामान बेंचने के बहाने रेकी कर मुख्यतः महिलाओं को चिन्हित किया जाता है, जिसके बाद गिरोह में सम्मिलित छोटे बच्चे (बाल अपचारी) को महिला के पास भेज दिया जाता है एवं एक अन्य सदस्य भी पीछे से वहीं पहुंच जाता है। पूर्व नियोजित योजनानुसार बच्चे द्वारा महिला से रोते हुए स्वयं के कई दिनों से भूखे होने एवं मालिक द्वारा पीटे जाने की बात कही जाती है। तभी वहां पूर्व से उपस्थित गिरोह के सदस्य द्वारा उसे कुछ खरीद कर खाने हेतु रुपए दिये जाते हैं किन्तु उस बच्चे द्वारा स्वयं के पास मालिक के यहां से बहुत रुपये चुरा लाने की बात कहते हुए नोटों की गड्डी दिखाई जाती है, गड्डी में ऊपर-नोचे 500 रुपए का नोट एवं बीच में नोट के साइज के कागज लगे होते हैं। गिरोह के अन्य सदस्य द्वारा महिला को कुछ जेवरात देकर उस बच्चे से नोटों की गड्डी ले लेने का लालच दिया जाता है तथा महिला उन लोगों के षडयंत्र में फंस कर अपने जेवरात दे देती हैं। अभियुक्तगण द्वारा एक अन्य योजना के तहत भी घटनाएं कारित की गई हैं जिसमें जेवरात पहने महिलाओं को जेवरातों की छिनैती हो जाने का भय दिखाकर जेवरातों को उतार कर सुरक्षित अपने पास रख लेने की बात कही जाती है। तत्पश्चात अभियुक्तगण द्वारा एक रुमाल महिला को दिया जाता है, जिसमें महिला द्वारा जेवरात उतार कर रख दिये जाते हैं तथा महिला की मदद करने के बहाने हाथ की सफाई से उसके जेवरात के रुमाल को एक अन्य रुमाल से बदल दिया जाता है, जिसमें कंकड़ रखे होते हैं। यदि अभियुक्तगण इस तरह की योजनाओं में सफल नहीं होते थे तो जेवरात छीनकर भाग जाते थे। घटना कारित करने के पश्चात अभियुक्तगण द्वारा जेवरात को अन्य जनपद अथवा प्रांत में बेंच दिया जाता था। अभियुक्तगण द्वारा विभिन्न प्रांतों में घटनाएं कारित की गई हैं जिनके आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

लूट की चार घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर अंतर्जनपदीय गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर नगदी व जेवरात बरामद किया गया।

डॉक्टर अखिलेश नारायण सिंह
अपर पुलिस अधीक्षक
बाराबंकी

नील गाय से बचने के चक्कर में ट्रिगार्ड से टकराए बाइक सवार, एक की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

सैनी/कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र में दारानगर आरपी डिग्री कॉलेज,पॉवर हाउस के समीप शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार बाइक सवार अचानक सामने आई नील गाय से बचने के चक्कर में अनियंत्रित होकर ट्री गार्ड से टकरा गए। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

पीछे बैठे युवक को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है। फतेहपुर जिले के सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के लालू का पूरा गांव निवासी 40 वर्षीय रोहित पुत्र धनराज निषाद किसानी करते थे। गुरुवार को वह पड़ोस में रहने वाले अपने 55 वर्षीय मित्र भुल्लन पुत्र रामदेव के साथ किसी कार्यक्रम में शामिल होने मामा के यहां सैनी के जहांगीराबाद आए थे। शुक्रवार की दोपहर लौटते समय दारानगर पॉवर हाउस के पास अचानक बाइक के सामने नील गाय आ गई। उससे बचने के चक्कर में बाइक चला रहे रोहित नियंत्रण खो बैठे और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे ट्री गार्ड से टकरा गई। हादसे में रोहित की मौके पर ही मौत हो गई। साथी भुल्लन मौर्य को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से परिवार वालों के आंसू थामे नहीं थम रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रैक्टर की टक्कर से छात्रा की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कड़ाधाम/कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के चूहा पीरन में आज शुक्रवार सुबह 10 बजे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर जिसने धान कूटने वाली मशीन लगी थी उसकी टक्कर से कक्षा 4 में पढ़ने वाली छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई परिजनों के अनुसार छात्रा नैना उर्फ लाजो उम्र करीब 11 वर्ष पुत्री बुधराम निवासी चूहा पीरन पढ़ने जा रही थी दुर्घटना की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई परिजन रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए वहीं कड़ा धाम पुलिस ने ट्रैक्टर मय चालक को हिरासत में लेकर छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

एसपी ने साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के बाद परेड का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। यू0पी0 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को मानकों के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में वार्ता कर दिशा निर्देश दिये गये। तपश्चात पुलिस लाइन्स परिसर, मेस, बैरक, व्यायामशाला, सीपीसी कैण्टीन, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, आवासीय परिसर आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर सुमित त्रिपाठी, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार आदि अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

1 करोड़ 6 लाख रुपए की अवैध मार्फिन बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण एवं जनपद में मादक पदार्थ तस्करी की घटनाओं को रोकने व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना जैदपुर पुलिस टीम द्वारा मैनुअल एन्टेलीजेन्स के आधार पर 01 मादक पदार्थ तस्कर मो0 परवेज पुत्र मो0 मुसीर निवासी टिकरा उस्मां थाना जैदपुर जपनद बाराबंकी को जैदपुर-हरख मार्ग, टिकरा उस्मां मोड़ के पास से 01 किलो 60 ग्राम अवैध मारफीन (अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 01 करोड़ 06 लाख रुपए) के साथ गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में ज्ञात हुआ कि गिरफ्तार अभियुक्त अपने अन्य साथी मिसबाहुर्रहमान उर्फ अज्जन पुत्र मो0 कलीम निवासी टिकरा मुर्तजा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी के साथ मिलकर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करता है। अभियुक्तगण द्वारा जनपद बाराबंकी व आस-पास के जनपदों में मादक पदार्थ की तस्करी की जाती है। वांछित अभियुक्त मिसबाहुर्रहमान उर्फ अज्जन की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन किया गया है।

एसपी ने आगामी पीसीएस (प्री) परीक्षा-2024 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पुलिस बल को ब्रीफ किया

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी । शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद में विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर देर रात को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस (प्री) परीक्षा-2024 को पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु लगे पुलिस बल को ब्रीफ किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा केन्द्रों के आस-पास अवांछित तत्वों पर रोक लगाने के साथ-साथ शांति व्यवस्था बनाये रखने, अभिसूचना तंत्र को क्रियाशील रखते हुए सतर्क दृष्टि रखने एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने आदि के सम्बन्ध में पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

भाकियू अराजनैतिक ने वापस ली तहसील घेराव की घोषणा

मथुरा: भाकियू अराजनैतिक ने तहसील घेराव की घोषणा को वापस ले लिया है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि अधिकारियों से उनकी बात हो गई है, इसके बाद 24 दिसम्बर के तय कार्यक्रम को वापस ले लिया गया है। अधिकारियों के साथ शुक्रवार को हुई वार्ता के बाद यूनियन ने घेराव की घोषणा को वापस ले लिया। यह निर्णय संगठन ने प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किसानों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करने का आश्वासन मिलने के बाद लिया है। इन दोनों खेतों में आलू, सरसों, जो की फसल खड़ी हुई है। इधर तापमान में गिरावट आ गई है इससे आलू और सरसों की फसल में नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। आलू की फसल को सिंचाई कर ही इस मौसम की मार से बचाया जा सकता है। बजली की निर्धारित समय पर 10 घंटे आपूर्ति नहीं मिल पाने के कारण ट्यूबवेल भी नहीं चल पा रहे हैं। मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर ने बताया की विद्युत सब स्टेशन मढ़ौरा, पचावर लक्ष्मी नगर और बलदेव से किसानों को 24 घंटे में सिर्फ दो ढाई घंटे बिजली की आपूर्ति मिल रही है। किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। नहरों में पानी की कमी है। किसानों के आवश्यक दस्तावेज भी अधिकारी समय पर बना कर नहीं दे रहे हैं। वार्ता में अधिकारियों ने कहा के शनिवार से किसानों को पूरे 10 घंटे बिजली की आपूर्ति होगी।

जिला कार्यालय में धूमधाम से किया प्रदेश पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

सर्व समाज के उत्थान की दिशा में किया जाएगा कार्य। प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता सोनू

सबसे तेज प्रयागराज

कानपुर : लोक जन शक्ति पार्टी राम विलास के नवनियुक्त प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता सोनू तथा प्रदेश उपाध्यक्ष आनन्द सिंह का जिला कार्यालय नौबस्ता में आयोजित स्वागत समारोह जिलाध्यक्ष विपिन यादव के नेतृत्व में किया गया। सैकड़ों पदाधिकारियों ने प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता सोनू तथा प्रदेश उपाध्यक्ष आनन्द सिंह का भव्य स्वागत किया

इस मौके पर जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने बताया कि अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि समाज के निर्बल निर्धन असहाय समाज के उत्थान की दिशा में कार्य करने वाले मनोज गुप्ता जी की कार्यशैली तथा समाज के उत्थान की दिशा में कार्य करने की शैली को देखते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश की जिम्मेदारी देते हुए प्रदेश सचिव बनाया। जिलाध्यक्ष विपिन यादव के नेतृत्व में आए पदाधिकारियों ने धरती गूंजे आसमान रामविलास पासवान के जोरदार नारे लगाते हुए जोश भरने का कार्य किया। स्वागत कार्यक्रम में ज़िलाध्यक्ष ने प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता सोनू तथा प्रदेश उपाध्यक्ष आनन्द सिंह को माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात प्रदेश सचिव मनोज गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में सर्व समाज के उत्थान की दिशा में कार्य किया जायेगा। उन्होंने जिला इकाई का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही लोक जन शक्ति पार्टी के द्वारा किए जाने वाला कार्य दिखना शुरू हो जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से शैलेंद्र सिंह गौर मन्नू पंडित ठाकुर अंजली सिंह साधना दीक्षित अमन रावत सतीश चंद्र पांडे अमित दुबे अविरल भाटिया सिमरप्रीत सिंह सचिन बाजपेई बृजेश सिंह सेंगर राज सिंह थापा धर्मेंद्र कुमार मोनू सिंह ऋषभ देवेंद्र सिंह सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाबा साहब का अपमान नहीं सहेंगे कांग्रेसी

कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिला कांग्रेस कमेटी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर प्रदेश के राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। ज्ञापन में जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी कौशांबी गौरव पांडे ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर का अपमान कांग्रेस पार्टी नहीं सहेगी जिस तरह से राज्यसभा के भीतर गृहमंत्री अमित शाह ने बाबा भीमराव अंबेडकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है वह बेहद गंभीर है इससे देश के करोड़ों लोगों के भावनाओं को ठेस पहुंची है।

पूर्व विधायक विजय प्रकाश ने कहा की बाबा साहब का अपमान करना भाजपा की प्रवृत्ति बन गई है और भाजपा के लोग किसी का सम्मान नहीं करते हैं सबका अपमान करते हैं। दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी वरिष्ठ नेता हंजला उस्मानी ने कहा कि बाबा साहब हमारे संविधान के रचयिता थे और संविधान को बार-बार अपमानित करने का काम कांग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है जो आसानी है। प्रदेश के सचिव कौशांबी कांग्रेस के प्रभारी राजेश साहनी ने कहा कि जिस तरह से 18 दिसंबर को जगह - जगह बरखेड़ी लगा करके और कांग्रेस के प्रदर्शन को रोकने का प्रयास किया गया है। यह मंसूबा बीजेपी का सफल नहीं होगा और कांग्रेस सड़क से लेकर के सदन तक प्रदर्शन करेगी तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान नहीं सहेगी।

वरिष्ठ नेता राम बहादुर त्रिपाठी ने भी कहा कि बीजेपी मुख्य मुद्दों से देश का ध्यान भटक रही है, आज युवा रोजगार के लिए परेशान है महंगाई से आम जनता त्रस्त है भ्रष्टाचार चरम पर है सुविधा शुल्क के नाम परअधिकारियों द्वारा खुलेआम घूस लेकर जनता को परेशान किया जा रहा है इन सब मुद्दों से भाजपा किनारा करके और राहुल जी को बदनाम करना चाहती है जबकि जनता यह सब जान चुकी है और अब बीजेपी के झूठे मुद्दों पर वह फसाने वाली नहीं है आगामी चुनावमें जनता इस देश से बीजेपी को भगाने का काम करेगी। ज्ञापन देने में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र त्रिपाठी ,श्याम मूर्ति तिवारी , उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू , मनोज सिंह पटेल महासचिव कौशलेश द्विवेदी , दीपक पांडेय बाबू जी,रामसूरत रैदास , राम बहादुर चौधरी ,कालका सिंह , सचिव फोजिया , युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष अलकमा उस्मानी सचिन पांडे विकास यादव शैफ मंसूरी, मुन्ना जैन, श्याम सिंह भदौरिया, मोहम्मद मुस्लिम, लाल चन्द्र बाल्मीकि, निक्की पांडेय साहिद अली,मुकेश कुमार, कन्हाई लाल, अवधेश कुमार यादव, छोटे लाल,टैम दास ,अमृत लाल, बबली देवी, मनोज प्रजापति सिकंदर सिंह,अनिल सेन,शिवम तिवारी,महेंद्र पांडेय संतोष शुक्ला, उस्मान अली, आशिफ अल्वी, रावेन्द्र सिंह यादव, विकाश यादव,प्रेम विष्कर्मा , फूल चंद्र कुसवाहा, हेमंत रावत सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुलिस लाइन का पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल द्वारा परेड की सलामी लेकर परेड व परेड में उपस्थित समस्त पुलिस कर्मियों के टर्नआउट का निरीक्षण किया गया तथा अश्रु गैस के गोले फेंकने व टियर गैस गन से चलाने का अभ्यास कराया गया, साथ ही पुलिस लाइन परिसर में भ्रमण कर निर्माण कार्य, बैरक, वर्दी स्टोर, परिवहन शाखा, 112 शाखा और आवासीय कॉलोनी, भोजनालय, सीपीसी कैंटीन, वर्दी स्टोर, पुलिस लाइन आदेश कक्ष में गार्द रजिस्टर, आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

दो वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना बकेवर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त मुनीम कंजड पुत्र रजोले कंजड निवासी ग्राम पल्थाहार थाना बकेवर को गिरफ्तार किया ।

थाना असोथर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त पेऊँगा उर्फ अनिरूद्ध पुत्र काशी सिंह निवासी बेर्राव थाना असोथर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

अपना पुलिस अधीक्षक ने जुमे की नमाज की दृष्टिगत किया भ्रमण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा जनपद में शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं शुक्रवार/जुमे की नमाज के दृष्टिगत थाना मंझनपुर क्षेत्र में भ्रमण किया गया तथा पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

नवाबगंज पुलिस द्वारा अपहरण का वांछित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज । शुक्रवार को नवाबगंज पुलिस ने चेकिंग के दौरान अपहरण के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी किया। प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर अपहरण का वांछित अभियुक्त विनय कुमार मौर्या पुत्र करमचन्द्र मौर्या निवासी ग्राम हथिगंहा थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना नवाबगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम चम्पतपुर स्थित हनुमान मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृता/पीड़िता को सकुशल बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 भगवान बक्स सिंह. का0 जयप्रकाश शुक्ला. म0का0 प्रीती मौर्या, थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बंद बॉडी के कंटेनर से 63 किलो गांजा किया बरामद

मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस टीम ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करों से 63 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस ने दो लोगों को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। गांजे की तस्करी एक बन्द बाडी कन्टेनर ट्रक से की जा रही थी। प्रभारी निरीक्षक थाना कोसीकलां अजीत सिंह ने बताया कि रात में थाना कोसीकलां पुलिस चौकी क्षेत्र जिन्दल चौराहा में कोसी नन्दगांव रोड पर गस्त व चैकिंग कर रही थी तभी मुखबिर से सूचना पर सुरवारी बम्बे की पुलिया पर कोसी नन्दगांव रोड पर कोसी से नन्दगांव बरसाना की ओर चैकिंग के दौरान दो नफर अन्तराज्यीय गांजा तस्कर अभियुक्त सुंदर पुत्र सामल मूल निवासी बाजोता थाना टप्पल जिला अलीगढ हाल निवासी इतवारपुर थाना टप्पल जिला अलीगढ व बन्द लगे बैरियर से करीब 100 कदम पहले थाना कोसीकलां मथुरा गिरफ्तार किया गया।

डीएम ने जनता दर्शन में आये फरियादी की समस्या को सुना एवं जनता दर्शन के तुरंत बाद मौके पर स्वयं पहुँचकर समस्या का कराया निस्तारण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । प्रार्थी लवकुश कुमार पुत्र बुत्ता लाल कोरी निवासी ग्राम-चक थाम्भा थाना-मंझनपुर जनपद कौशाम्बी ने आज जनसुनवाई में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि शुक्रवार को जे०सी०बी० से प्रार्थी के घर के बगल मे बंजर जमीन जिसका गाटा संख्या 171 व 168 तलाबी नम्बर दर्ज है, जो एक दूसरे से लगा हुआ है और सदियों से पूरे गावं का पानी बंजर नाले से होकर तालाब में जाता था एवं पूरे गांव के जानवर भी उसी रास्ते से होकर तालाब में पानी पीने जाते थे। विपक्षीगण नाले को पाटने लगे, जिसका विरोध प्रार्थी द्वारा किया गया कि नाले को पाट दोगे तो गावं का पशु किधर से पानी पीने जायेंगे और गावं का पानी किधर से जायेंगा, जिस पर कुवर बहादुर (लोधी) पुत्र स्व० सदलू एवं

छत्रपाल लोधी पुत्र स्वं मुन्नू लाल ने गाली-गालौज की। जिस पर जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के तुरंत बाद मौके पर स्वंय जाकर सच्चाई की जानकारी प्राप्त करते हुए प्रार्थी की समस्या का समाधान कराया। जिलाधिकारी ने विपक्षीगणों को समझाते हुए नाले को पाटने से मना किया। उन्होंने पीडीडीआरडीए को गॉव में उस जगह पानी निकासी के लिए जल्द से जल्द नाले का निर्माण कराने का निर्देश दियें, जिससे रास्ते में जल-भराव की समस्या समाप्त हो सकें एवं ग्रामवासियों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। प्रार्थी इस कार्यवाही से संतुष्ट होते हुए जिलाधिकारी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मंझनपुर आकाश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

फतेहपुर रेलवे स्टेशन पर साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी गयी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । साइबर अपराधों पर रोक-थाम तथा प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम द्वारा शुक्रवार को फतेहपुर रेलवे स्टेशन परिसर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेलवे स्टेशन पर कार्यरत सभी रेलवे कर्मचारियों, संविदा कर्मियों को साइबर अपराध से बचाव की बारीकियों से अवगत कराया गया व वर्तमान में हो रहे साइबर अपराध, ओटीपी फ्राड, एटीएम कार्ड की जानकारी शेयर न करना, लोन फ्राड, सेक्सटार्शन फ्राड, सोशल मीडिया फ्राड, कस्टमर केयर फ्राड, डिजिटल अरेस्ट, कलर ट्रेडिंग, शादी के नाम पर फ्राड आदि की विस्तृत जानकारी दी गयी। मौके पर स्टेशन अधीक्षक एस एस मिश्रा तथा सीएमआई महेन्द्र गुप्ता तथा साइबर टीम से निरीक्षक मो0 कमर खान व का0 प्रवीन सिंह

तथा का0 अभिषेक कुमार सहित अन्य रेलवे स्टाफ मौजूद रहे।

*नोट- साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर सूचना अंकित कराये, सूचना विलम्ब से देने पर साइबर अपराधियों द्वारा धन निकाल लिया जाता है। धन निकलने के उपरान्त पैसे वापस होने की सम्भावना बहुत कम होती है। लोगो को साइबर ठगों से सावधान रहने की जरुरत है। किसी भी अनजान फोन कॉल पर अपनी बैंक डिटेल, ओ0टी0पी0, बायोमैट्रिक डेटा, पैन कार्ड व आधार कार्ड की डिटेल किसी के साथ साझा न करें। फ्रॉड ट्रांजेक्सन होने पर तत्काल अपने बैंक एवं थाना पर गठित साइबर सेल को सूचना दें एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएँ।

साइबर सुरक्षा टिप्स

01. ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतें
02. किसी भी अनजान फोन कॉल पर अपनी बैंक डिटेल, ओटीपी, बायोमैट्रिक डेटा, पैन कार्ड व आधार कार्ड की डिटेल किसी के साथ साझा न करें।
03. सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।
04. अनजान लिंक्स पर क्लिक न करें।
05. अपने डिवाइस को सुरक्षित रखें।
06. ऑनलाइन शॉपिंग में सुरक्षित वेबसाइट्स का उपयोग करें।
07. पासवर्ड को मजबूत और गुप्त रखें।
08. ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखें।
09. साइबर बुलिंग और साइबर स्टॉकिंग के मामलों में तुरंत पुलिस को सूचित करें।
10. ऑनलाइन उत्पीड़न के मामलों में कंपनी प्रबंधन और पुलिस को सूचित करें

महिलाओं को 112 व 1090 के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में आयोजित ब्लमिशन शक्तिद्व पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076ब्लमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?,

102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्कों एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

फूलपुर कस्बे में महिलाओं को दिया सुरक्षात्मक सुझाव

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर नगर पंचायत में थाने की महिला उप निरीक्षक मिताली सिंह व विभा सिंह द्वारा शुक्रवार को कई मोहल्लों में घूम घूम कर महिलाओं को जागरूक करते हुए सरकार द्वारा जारी सुरक्षात्मक उपाय बताए गए। जिसमें प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हित में जारी कई हेल्पलाइन नंबर जैसे महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु सरकार द्वारा प्रदत्त मोबाइल नंबर प्रयोग करने की सलाह दी गई। इसके

अलावा आयुष्मान भारत योजना वूमेन पावर 10 90 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सीएम हेल्पलाइन 1076 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं को बताया गया कि सरकार महिला सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है ऐसे में महिलाएं खुद अपने को जागरूक होकर अपनी रक्षा और सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाए ताकि उनका शोषण किसी भी प्रकार से न हो सके अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपना और देश वा समाज के विकास में अपना योगदान दे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं प्रौद्योगिकी वर्तमान शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का प्रमुख आधार स्तंभ : राजेंद्र प्रताप

डायट प्राचार्य ने तीसरे चरण के प्रशिक्षुओं में वितरित किया प्रमाणपत्र

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज (डायट) में प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मार्गदर्शन में डिजिटल लिटेसी कोडिंग और कंप्यूटेशनल थिंकिंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पाठ्यक्रम पर आधारित जनपद स्तरीय पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय चक्र के प्रशिक्षण के समापन पर प्रमाण पत्र का वितरण आज किया गया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज में उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के मार्गदर्शन एवं डायट प्रवक्ता विपिन कुमार के संयोजन में जनपद स्तरीय डिजिटल लिटेसी कोडिंग और कंप्यूटेशनल थिंकिंग तथा आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस के पाठ्यक्रम पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। यह यह प्रशिक्षण जनपद प्रयागराज के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सिविलियन विद्यालय के 800 अध्यापकों का प्रशिक्षण किया जाना है जो चार चक्र में समाप्त किया जाएगा। इस प्रशिक्षण के तृतीय चक्र का शुभारंभ 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक रहा। इस प्रशिक्षण में कंप्यूटर से संबंधित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को समावेश किया जा रहा है,जिसमें, कंप्यूटर का परिचय, एमएस वर्ड एमएस एक्सल ,एमएस पेंट ,स्क्रैच पाइथन ,प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस ,साइबर क्राइम ,साइबर सुरक्षा एवं साइबर एथिक्स विषय वस्तुओं को सम्मिलित किया गया। संदर्भ दाता के रूप में डायट के प्रवक्ता विपिन कुमार, वीरभद्र प्रताप, अखिलेश सिंह,,परिषदीय विद्यालय के शिक्षक डॉ शरद कुमार मिश्रा ,अनुराग पांडे, निर्मल कुमार मिश्र ,निधि श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश मिश्रा ने व्यवस्थित समय सारणी के अनुसार विषय वस्तुओं पर चर्चा एवं गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण को संपन्न कराया। इस कंप्यूटर के प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों में नवीन संचार एवं कंप्यूटर शिक्षण कौशल का विकास करना है ताकि तकनीकी योग में शिक्षा विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध ढंग से कर सके। अपने संबोधन में प्रचार कर ने बताया की वर्तमान समय में कंप्यूटर एक ऐसा साधन है जिसके बिना शिक्षक की गुणवत्ता अधूरी इसमें विभिन्न प्रकार के चैट के अप आकलन की प्रक्रिया जैसे निपुण आकलन सपोर्टिंग सुपरविजन इत्यादि शिक्षक से संबंधित क्रियाएं हैं बिना कंप्यूटर तकनीक के अधूरी है इसलिए सभी शिक्षक इस प्रशिक्षण में सीखे गए प्रत्येक विषय वस्तु को आत्मसात कर परिषदीय स्कूलों की शिक्षण अधिगम व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहयोग प्रदान करें। प्राचार्य राजेंद्र प्रताप ने सभी परिषदीय शिक्षकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

सैनी पुलिस ने 2 वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सैनी थाने के सिराथू चौकी प्रभारी मनोज तोमर मय हमराह पुलिस बल द्वारा 2 वांछित अभियुक्त महेन्द्र कुमार पटेल पुत्र स्व० जमुना प्रसाद , पुष्पा देवी पत्नी स्व० जमुना प्रसाद नि०गण वार्ड नं0 11 कानूनगो का पुरवा कस्बा सिराथू थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

प्रभारी निरीक्षक सैनी बृजेश कुमार करवरिया ने बताया की चेकिंग के दौरान दो वांछित को गिरफ्तार किया गया।

कोखराज पुलिस ने दो वारंटी पकड़े

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर कोखराज पुलिस वारंटी की तलाश में चेकिंग के दौरान दो वारंटी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक कोखराज चंद्र भूषण मौर्या ने बताया क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर दो वारंटी अभियुक्तों सुनील कुमार . आनन्द पुत्रगण बाबू लाल नि० चमन्धा थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

पिपरी पुलिस ने अपहृत को सकुशल बरामद किया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा गुमशुदा अपहृत की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर पेरई तिल्हापुर मोड़ कुटी थाना क्षेत्र पिपरी जनपद कौशाम्बी से गुमशुदा/अपहृत महन्त जगदीश दास पुत्र स्व०सत्यनारायण वेला सुखदेव दास निवासी मौदहा मनकवार थाना घुरपुर प्रयागराज हाल पता कुटी श्री सीताराम स्थानीय तिल्हापुर मोड थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी उम्र लगभग 80 वर्ष को ग्राम जयन्तीपुर थाना क्षेत्र धूमनगंज प्रयागराज से सकुशल बरामद कर इत्मिनान/पहचान कराने हेतु ससम्मान अपने साथ लाकर सीताराम स्थानीय तिल्हापुर मोड थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी के कुछ लोगो से तस्दीक कराया तो बताये कि ये ही गुमशुदा/अपहृत महन्द जगदीश दास जी हैं। महन्त के स्वास्थ्य व सातविकता का पूर्ण रुप से ध्यान रखते हुए थाना स्थानीय पर एक साफ सुधरे कमरे में खाने पीने व रहने व पूजा पाठ का व्यवस्था करते हुए बैठाया गया है। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बरामदगी करने वाली टीम

प्रभारी निरीक्षक शिवचरन राम. उ0नि0 भगवान यादव।

डीएम ने विद्यालय का किया निरीक्षण, बच्चों को पढ़ाया पाठ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी मधूसूदन हुल्गी द्वारा शुक्रवार प्राथमिक विद्यालय थॉभा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पठन-पाठन का कार्य सुचारू रूप से चल रहा था, सभी बच्चें क्लॉस रूम में ही थे। विद्यालय में तैनात 06 अध्यापकों में से 04 ही अध्यापक मौजूद पाये गये षेश 02 अवकाष पर थे। जिलाधिकारी ने बच्चां से जनरल नॉलेज से सम्बन्धित प्रष्न पूँछा, जिसका बच्चों द्वारा सही जवाब दिया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने टैबलेट, मिड्डे-मील एवं साफ-सफाई सहित अन्य आवष्यक व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए आवष्यक दिषा-निर्देष दियें।

इसी क्रम में रास्ते में पड़ने वाले ग्राम पंचायत-चक थाम्भा में जल-जीवन मिषन के तहत निमार्णाधीन पानी टंकी का भी निरीक्षण किया एवं निर्माण कार्य के सम्बन्ध में जानकारी भी प्राप्त की। जिस पर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि पानी की टंकी का निर्माण कार्य 02 वर्श से चल रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिषासी अभियंता, जल निगम को टंकी के निर्माण कार्य को तेजी से कराते हुए जल्द से जल्द पूर्ण कराये जाने के निर्देष दियें।

फूलपुर में गृह मंत्री अमित शाह का अधिवक्ताओं ने फूंका पुतला

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निमार्ता बाबा साहब भीम राव अंबेडकर पर अशोभनीय टिप्पणी करने पर देश भर में बवाल हो रहा है। शुक्रवार को उक्त टिप्पणी के विरोध में फूलपुर के दर्जनों अधिवक्ता आक्रोश जताते हुए तहसील परिसर से बाहर निकल कर तहसील मुख्यालय के सामने फूलपुर प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर एकत्रित होकर केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके इतीफे की नैतिकता के आधार पर मांग करते हुए उनका पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किए इस दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अपने अहंकार में संतुलन खो बैठे है जिस संविधान से देश चलता है ऐसे संविधान निमार्ता के बारे में भरे संसद में अशोभनीय निप्पणी करना कितना दुर्भाग्य पूर्ण है जिसका सम्मान पूरा विश्व करता है ऐसे विद्वान व्यक्ति के बारे अपमान भरी बाते करके अपनी ओछी मानसिकता का परिचय देने वाले को जिम्मेदार पद से इस्तीफा दे देना चाहिए जिसकी निंदा पूरे देश में हो रही है। उक्त मौके पर एल्डर कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट भारत लाल यादव,धर्मराज यादव,राजेंद्र प्रदेश यादव,विजय बहादुर यादव,दिलीप आजाद,सौरभ यादव,लालमणि यादव,मोहम्मद शारिब,शमीम अहमद,जुगेश भारतीय,राजू सिंह,शंकर सिंह,राम अभिलाष पटेल,अदनान अहमद आदि रहे इस मौके पर पुलिस प्रशासन के लोग मौन रहे।

तेजी से वजन कम करने में मदद करेंगे ये 8 नियम, जानें फिटनेस एक्सपर्ट से टिप्स

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल में खुद पर ध्यान देना काफी मुश्किल होता जा रहा है, लेकिन आप कुछ अच्छी चीजों अपने डेली रूटीन में शामिल कर लें तो आप बहुत आराम से फैट लॉस कर सकते हैं. इसके लिए फिटनेस कोच सुनील शेट्टी ने कुछ टिप्स शेयर किए हैं.

फैट लॉस करने से न सिर्फ दिल से संबंधित बीमारियों का खतरा कम हो जाता है बल्कि इससे आप डायबिटीज के खतरे को भी रोक सकते हैं. एक्स्ट्रा फैट को हटाने से आप अपनी फिजिकल परफॉरमेंस को बेहतर कर सकते हैं. इससे आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, लेकिन साथ में आपका एनर्जी लेवल भी बढ़ेगा. यही नहीं, फैट लॉस करने से आपकी स्लीप साइकिल भी बेहतर होगी. फैट को कम करने की प्रक्रिया भले ही आसान दिखती हो लेकिन ज्यादा एक्सपोजर की वजह से किसी भी इंसान को इतनी सारी सलाह और इन्फॉर्मेशन एकसाथ मिल जाती है, जिससे और कंफ्युशन बढ़ जाता है कि असल में फैट को कम करने का सही प्रोसेस क्या है.

फिटनेस कोच सुनील शेट्टी ने अपने अधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट करके बताया है कि आप जल्द से जल्द फैट लॉस कैसे कर सकते हैं.

फिटनेस एक्सपर्ट से जानिए फैट लॉस टिप्स

कैलोरी को ज्यादा बर्न करिए- आपने जितनी कैलोरी इन्टेक किया है, आपको उससे ज्यादा कैलोरी बर्न करनी है. ऐसे बहुत से एप्स मौजूद हैं जो आपकी डाइट को मॉनिटर करने में आपकी मदद करते हैं. ऐसे में आपको किसी एक एप का रेगुलर इस्तेमाल करना है, जहां आपको ये बताया जाएगा कि आप ऑवरईटिंग से कैसे बचें और अपने खाने के एक्स्ट्रा पोर्शन को कम कैसे करें. एक्स्ट्रा फैट हटाने के लिए आपको रोजाना लगभग 500 कैलोरी बर्न करनी है.

लिक्विड कैलोरी से बचें- सोडा, जूस और कॉफ़ी में कैलोरी बहुत ज्यादा मात्रा में पायी जाती है. साथ ही, ये ड्रिंक्स आपके भूख को मिटाने में कोई मदद भी करती हैं. आप अपनी डाइट में पानी, ग्रीन टी, ब्लैक कॉफ़ी, या हर्बल चाय को शामिल करिए. अपनी इन ड्रिंक्स में बिना एक्स्ट्रा कैलोरी बढ़ाए आप इसका स्वाद नींबू, खीरा या पुदीना मिलाकर बढ़ा सकते हैं.हफ्ते में कम से कम 3 बार एक्सरसाइज करिए- स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मांसपेशियों के बनने में मदद मिलती है, जबकि कार्डियो से कैलोरी बर्न होती है. वेट लिफ्टिंग को 20-30 मिनट के कार्डियो के साथ किया जा सकता है, लेकिन ये काम आपको किसी एक्सपर्ट की निगरानी में ही करना है. अधिकतम नतीजों के लिए स्क्वाट, डेडलिफ्ट और पुश-अप्स जैसी एक्सरसाइज करिए.

अपने हर मील में प्रोटीन को शामिल करिए- प्रोटीन आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है. इसके अलावा ये मांसपेशियों को सुरक्षित रखता है और मेटाबोलिज्म को बढ़ावा देता है. अंडे, चिकन, मछली, टोफू, दाल और ग्रीक दही प्रोटीन से भरपूर होते हैं. कोशिश करिए कि आप जो भी मील खा रहे हों उसमें कम से कम 20-30 ग्राम प्रोटीन हो.

खूब सारी सब्जियों का सेवन करिए- सब्जियों में कैलोरी कम होती है लेकिन फाइबर अधिक होता है, जिससे आपका पेट भरा रहता है. पालक, ब्रोकोली, गाजर, तोरी और शिमला मिर्च में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है. ज़्यादा खाने से बचने के लिए अपनी आधी प्लेट सब्जियों से भरें.

रात में कम से कम 7-9 घंटे की नींद पूरी करिए- अगर आपकी नींद पूरी नहीं हुई है तो आपकी अधूरी नींद भूख बढ़ाने वाले हार्मोन को बढ़ाती है और फैट लॉस को धीमा कर देती है. अगर आप सोने जा रहे हैं तो कुछ बातों का खास ख्याल रखिए. इस दौरान अपने मोबाइल को कम चलाएं और जहां सोने जा रहे हैं, वहां अंधेरा कर लीजिये. अच्छी नींद स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देती है और क्रेविंग्स को कम करती है.

वॉकिंग पर ध्यान दीजिए- वॉकिंग से कैलोरी बर्न होती है और ऑवरऑल एक्टिविटी बढ़ती है. कोशिश करिए कि आप रोजाना 10,000 स्टेप्स जरूर चलें. खाना खाने के बाद थोड़ी देर टहलें और लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को चुनें.

बदलावों में ही संविधान की रमणीयता है

समयानुसार हुए इन्हीं संशोधनों ने हमारे संविधान को गतिशील और नया-नवेला बनाये रखा है। यदि अब तक हुए संशोधनों की सूची पर नज़र डालें तो स्पष्ट हो जायेगा कि इन्हीं के कारण संविधान प्रासंगिक और उपयोगी बना हुआ है। आधुनिक विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की उसकी क्षमता इन्हीं संशोधनों की वजह से है।भारतीय संविधान ने अपने लिये जो जिम्मेदारियां तय की हैं, उनमें देश के भीतर एक सुगठित राजनीतिक प्रणाली बनाने, सरकार के कामों का निर्धारण, शक्ति पृथक्करण कर विभिन्न अंगों के बीच संतुलन बनाये रखने, नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को सुनिश्चित करने, नीति निर्देशक तत्वों के अनुरूप राज्य को परिचालित करने आदि जैसे महती उत्तरदायित्व तो हैं ही, जो कि दुनिया भर के ज्यादातर लिखित-अलिखित अथवा छोटे-बड़े संविधानों में भी तय किये गये हैं; परन्तु दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य भारत के संविधान ने अपने लिये चुने हैं। पहला है एक कल्याणकारी राज्य का सृजन और दूसरे, मानवीय गरिमा को स्थापित करना। संविधान पिछ्ले लगभग 75 वर्षों से अपने इन दोनों उद्देश्यों को हासिल करने में लगभग कामयाब रहा है। देश ने केन्द्र के साथ राज्यों में कई तरह की सरकारें देखी हैं- अच्छी और बुरी, बहुमत वाली और अल्पमत की भी, कठोर व उदार या फिर मध्यमार्गी। उनकी वैचारिक पृष्ठभूमियां भी अलग-अलग रहीं। फिर भी किसी भी सरकार ने (केन्द्र की हों या सूबों की) संविधान से ऐसी छेड़छाड़ करने का कभी प्रयास नहीं किया जिसके कारण हमारा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक ढांचें चरमरा जायें।

इस मायने में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार सबसे अलग निकली। चाहे वह खुद इसी संवैधानिक प्रणाली की उपज हो लेकिन उसने 2014 के पहले से ही इसके लिये ऐसा कुछ करना शुरू कर दिया था कि मौका मिले और वह संविधान का बैंड बजा दे। राष्टीय स्वयंसेवक संघ शुरू से ही मनुस्मृति का समर्थक रहा है। उसका सपना रहा कि जब भी वह सत्ता में आये, इस संविधान को दफ़ा कर मनुस्मृति लागू कर दे। इसका मौका देशवासियों ने कभी नहीं दिया। न जनसंघ और न ही भाजपा के रूप में वह कभी इतनी सक्षम हो पायी कि डॉ. बीआर अंबेडकर रचित संविधान को रद्द कर अपनी मान्यताओं के अनुरूप या मनुस्मृति आधारित ऐसा दस्तावेज़ दे सके जो देश को परिचालित करे। 1977 में बनी जनता पार्टी की सरकार में उसकी भागीदारी ऐसी नहीं थी कि वह संविधान की ओर देखने की भी हिम्मत कर सके। पक्ष और विपक्ष में ऐसे अनेक बड़े नेता और उनकी पार्टियां थीं जो सजगता से संविधान की रक्षा में तैनात रहीं। उसके बाद 13 दिन, 13 माह और अंततः पूरे पांच वर्षों की केन्द्र में भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारें ज़रूर बनीं परन्तु वे अनेक पार्टियों के भरोसे थीं। इसलिये संविधान साफ-साफ बच निकला।

अलबत्ता 2014 के लोकसभा चुनाव के काफी पहले से जिस ढंग से मोदी और भाजपा ने कांग्रेस पर हमले किये, साफ हो गया था कि पूरी व्यवस्था में जिस सुधार की बात की जा रही है, वह दरअसल संविधान में बदलाव का माहौल तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस की यात्रा में पहले आजादी का संग्राम उसका साथी था, तो स्वतंत्रता के पश्चात संविधान उसका हमसफर बना। भारत के वैविध्यपूर्ण सामाजिक ढांचे के अनुकूल एक ऐसा संविधान देने में अंबेडकर सफल रहे जो करोड़ों लोगों का उत्थान, एक मजबूत व प्रगतिशील राष्ट सुनिश्चित कर सके। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार ने उसे प्रसन्नतापूर्वक लागू किया। यह पवित्र ग्रंथ ही पिछ्ले साढ़े सात दशकों से किसी मशाल की भांति भारत का पथ प्रदर्शन करता रहा है।भाजपा-संघ की विचारधारा इस संविधान के ताप को बर्दाश्त करने में नाकाबिल थी। जब इसे लागू किया गया तभी इसके बारे में राष्टीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुखों की ओर से कहा गया कि %इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।% उनके अनुसार मनुस्मृति ही भारतीय व्यवस्था को संचालित करने वाली संहिता हो सकती है। दूसरी तरफ़, गांधी के %हिन्द स्वराज्य% और नेहरू की भारतीय परिवेश के अनुकूल परिमार्जित की गयी समाजवादी अवधारणा से जो रसायन तैयार हुआ वह भारत के समग्र विकास के लिये रामबाण साबित हुआ। इस काढ़े को पीकर भारत में मनुस्मृति पर आधारित समाज से उपजने वाली तमाम तरह की व्याधियों से भी लड़ने की ताकत पैदा हुई। इसलिये हिंदू महासभा, संघ और उनके जैसे संगठनों व वैचारिक बुनावट वाले लोगों के लिये आवश्यक था कि कांग्रेस को कोसें, स्वतंत्रता आंदोलन की गौरवशाली विरासत को लांछित करें तथा राष्टनायकों को अपमानित करें। इससे तैयार हुई मानसिकता ने संविधान के श्रेष्ठ तत्वों पर हमले किये।

भाजपा के वर्तमान नेताओं और काडर की ओर से संविधान का जो सतत अपमान किया जाता रहा है, उसे नयी ऊर्जा मिली मोदी के पीएम बनने से। उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान गुजरात की जो दशा हुई, वह झलक मात्र थी कि मोदी के जरिये भाजपा देश का कैसा स्वरूप चाहती है। पहले कार्यकाल (2014-19) में तो स्थिति ऐसी नहीं थी कि संविधान की सीधे तौर पर अवमानना की जा सके। हालांकि विपक्ष कमजोर था। दूसरे कार्यकाल (2019-2024) के दौरान मोदी की नीतियों ने जैसा बदहाल भारत को किया, वह वातावरण राज्य के शक्तिशाली होने के उपयुक्त था। हुआ भी ऐसा ही। 2016 में नोटबन्दी के सनकपूर्ण और अदूरदर्शी निर्णय ने भारतीयों को पूर्णतः विपन्न कर दिया। जीएसटी समेत अनेक दोषपूर्ण फैसलों ने भी जनता को और शक्तिहीन किया। भाजपा छोड़कर ज्यादातर राजनीतिक दल चुनाव लड़ने के काबिल नहीं रह गये क्योंकि उनके पास पैसे नहीं हैं। विरोधियों को केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये डरा-धमकाकर निर्वाचित सरकारें गिराई जाती रहीं। फिर भी कहीं हार की गुंजाइश हो तो ईवीएम का खेल किया जाता है। इन्हीं के बल पर भाजपा आश्वस्त थी कि उसे 2024 के लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। पार्टी का असली मंतव्य सामने आया। ज्योति मिर्धा, अनंत हेगड़े, अरुण गोविल, टी राजा सिंह जैसों ने कहा कि मोदी को 400 सीटें चाहिये ताकि संविधान को बदला जा सके।नतीजे अलग आये। मोदी को दो दलों (तेलुगू देसम पार्टी और जनता दल- यूनाइटेड) के भरोसे सरकार बनानी पड़ी। इस बीच राहुल गांधी और कांग्रेस ने संविधान को प्रमुख विमर्श बना डाला। अब मोदी और भाजपा खुद को संविधान के सबसे बड़ा रक्षक साबित करने पर तुले हुए हैं। अब तक संविधान के श्रेष्ठ तत्वों- धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता, बन्धुत्व आदि को पानी पी-पीकर कोसने वाली भाजपा उन्हें बचाने पर तुली है। वैसे लोक कल्याणकारी राज्य और मानवीय गरिमा से भाजपा को परहेज है। इसलिये उसका संविधान का विरोध है, पर उसके प्रति प्रेम दिखाना उसकी हालिया ज़रूरत है। उसकी लाचारी का आलम यह है कि उसे संसद में %संविधान की गौरवशाली यात्रा% पर विशेष बैठकें करनी पड़ी हैं। लोकसभा में प्रियंका गांधी ने कहा कि %यदि नतीजे ऐसे नहीं आते तो अब तक संविधान बदलने का कार्य शुरू भी चुका होता।% यह सच है। इसलिये विशेष बैठकें प्रहसन मात्र साबित हुईं क्योंकि मोदीजी ने जिस अंदाज में अपना फोकस कांग्रेस की आलोचना पर बनाये रखा और विभिन्न संशोधनों को %कांग्रेस के मुंह पर लगा खून का स्वाद% बताया, उससे साफ है कि मोदी को भारतीय संविधान की रत्ती भर समझ नहीं है।समयानुसार हुए इन्हीं संशोधनों ने हमारे संविधान को गतिशील और नया-नवेला बनाये रखा है। यदि अब तक हुए संशोधनों की सूची पर नज़र डालें तो स्पष्ट हो जायेगा कि इन्हीं के कारण संविधान प्रासंगिक और उपयोगी बना हुआ है। आधुनिक विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की उसकी क्षमता इन्हीं संशोधनों की वजह से है। फिर चाहे वह विभिन्न राज्यों का विलय या उन्हें पूर्ण राज्य का दर्जा देना हो; अथवा कमजोर वर्गों का सशक्तिकरण अथवा पंचायती राज से लेकर मतदान की आयु घटाना। इसमें हुए संशोधन इसे नूतनता प्रदान करते हैं। महाकवि माघ अपने महाकाव्य शिशुपाल वध में कहते हैं- %क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदैव रूपं रमणीयताया%। अर्थात जो चीज़ हर पल नयी होती है वही सुन्दर या रमणीय होती है। बदलावों में ही जीवन की रमणीयता है। संविधान की भी।

संपादकीय

तानाशाही की ओर एक और कदम

लम्बे समय से जिस %एक देश एक चुनाव% की बात हो रही थी, तत्सम्बन्धी विधेयक अंततः मंगलवार को लोकसभा में पेश कर ही दिये गये। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश भर में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ कराने (संशोधन क्रमांक 129) तथा संघ प्रदेशों से सम्बन्धित प्रावधान वाले विधेयकों को प्रस्तुत किया। इस पर मत विभाजन होने के कारण इस पर वोटिंग कराई गई। पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद इसे पुर्नस्थापित करने के उद्देश्य से संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया। वैसे इस प्रस्ताव पर बोलते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कैबिनेट में जब यह प्रस्ताव लाया गया था तभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि इसे जेपीसी को भेजा जाना चाहिये।याद हो कि इस आशय का प्रस्ताव लाना पहले से ही केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी की मंशा रही है जिसके लिये उसने इसी लोकसभा चुनाव के पहले पूर्व राष्टपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितम्बर, 2023 को एक समिति बनाई थी। लगभग 7 माह बाद उसके द्वारा पेश की गयी रिपोर्ट में इस आशय की अनुशंसा की थी। समिति ने दो चरणों में ये चुनाव कराने की सिफारिश की है। पहले चरण में लोकसभा व विधानसभा-संघ प्रदेश के चुनाव हों और दूसरे चरण में नगरीय निकायों के। दूसरे चरण के मतदान पहले चरण का चुनाव सम्पन्न हो जाने के 100 दिनों के भीतर हो जाने चाहिये। समिति ने इसे 2029 या 2034 तक लागू करना सम्भव बतलाया है।129वें संशोधन के रूप में ये बिल लाये गये हैं। जैसा कि अनुमान था, इन विधेयकों का विपक्ष की ओर से पुरजोर विरोध किया गया। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को संविधान के मूल ढांचे पर हमला और देश को तानाशाही की ओर ले जाने वाला कदम बताया। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह बिल सरकार को वापस ले लेना चाहिये। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मांग की कि बिल को जेपीसी के पास भेजा जाये। वैसे तो इस प्रस्ताव को पारित कराना सत्तारुढ़ दल के लिये आसान नहीं है क्योंकि इसके लिये उसे दो तिहाई क बहुमत चाहिये जो उसके पास नहीं है।मतदान में जब तक 50 फीसदी से ज्यादा वोट पक्ष में नहीं पड़ते, इसे कानून नहीं बनाया जा सकता। 543 सीटों वाली भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के पास कुल 292 सदस्य हैं जबकि दो तिहाई का आंकड़ा 362 का होता है। राज्यसभा में भाजपा-एनडीए की 112 सीटें हैं तथा उसे 6 मनोनीत सांसदों का समर्थन है। यहां विपक्ष की 85 सीटें हैं। इस उच्च सदन में दो तिहाई का आंकड़ा 164 का होता है।

उल्लेखनीय है कि जब रामनाथ कोविंद समिति ने इस पर राजनीतिक दलों की राय मांगी थी तो 32 प्रमुख राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया था और 15 ने विरोध। जिन दलों ने विरोध किया था उनके लोकसभा मे 205 सदस्य हैं। इसका अर्थ यह है कि विपक्षी दलों के बिना ये विधेयक कानून का रूप नहीं ले सकते। इसलिये सरकार की कोशिश है कि दोनों प्रस्तावों पर आम राय बनाई जाये, जिसकी सम्भावना बहुत कम है। बीजू जनता दल का कहना है कि इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिये। जहां तक जेपीसी की बात है तो उसका अध्यक्ष और बहुमत दोनों ही भाजपा का होगा। ऐसे में विरोधी दलों की आवाज़ को वैसा ही नज़रंदाज़ कर दिया जायेगा जिस प्रकार से अनेक समितियों में होता आया है।वैसे तो जिन कारणों से एक साथ चुनाव कराये जाने की सिफारिश की गयी है उनमें से प्रमुख है बार-बार होने वाले चुनावों पर समय और खर्च को बचाना। संसाधनों की बचत, काले धन पर लगाम आदि जैसे इसके अन्य फायदे बतलाये गये थे। बार-बार होने वाले चुनावों से विकास कार्य अवरूद्ध होने की भी बात कही गयी थी।

दूसरी तरफ कहा गया कि इसके चलते वोटिंग पैटर्न पर असर पड़ेगा क्योंकि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग-अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। लोकसभा की छाया में चुनाव होता है तो स्थानीय मुद्दे दब जायेंगे जिसका सबसे बड़ा नुकसान क्षेत्रीय दलों को होगा।

भारत की असली चिंता घरेलू विकृतियों में है, ट्रम्प के टैरिफ में नहीं

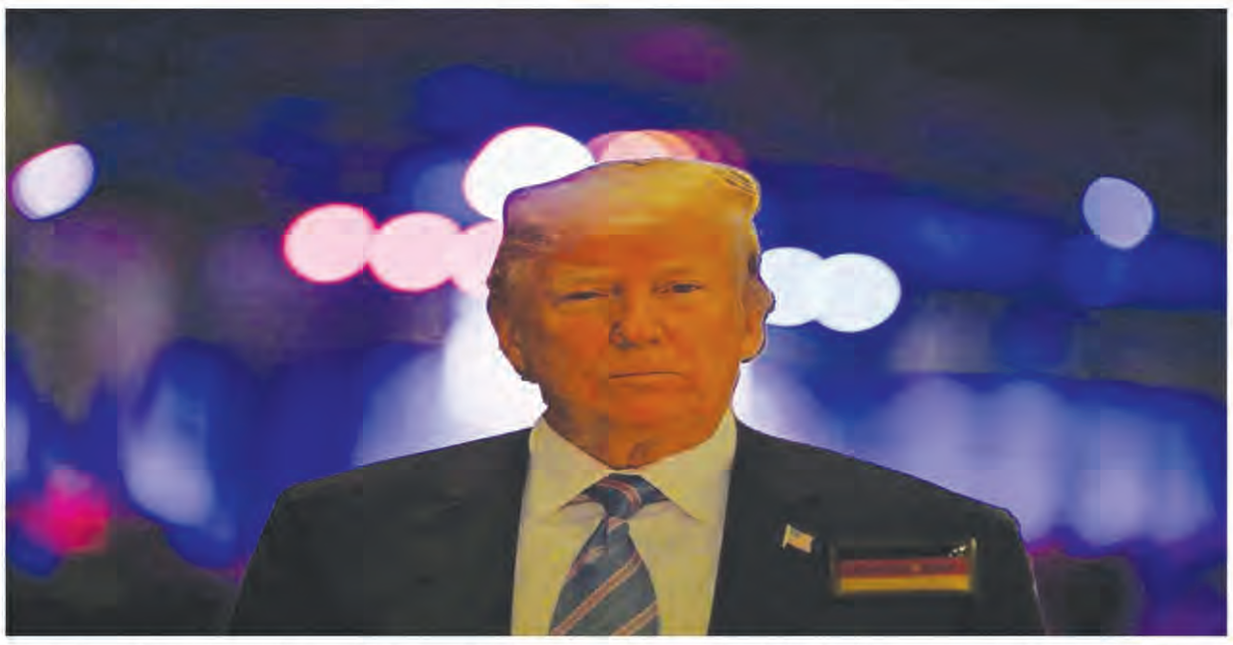

नेशनल रिटेल फेडरेशन द्वारा हाल ही में किये गये एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि परिधान, खिलौने, फर्नीचर, उपकरण, जूते और यात्रा के सामान पर ट्रम्प के प्रस्तावित टैरिफ से उपभोक्ताओं को सालाना 46अरब डॉलर से 78अरब डॉलर तक का अतिरिक्त नुकसान हो सकता है। इन सबका मतलब है उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतें, और चीनी वस्तुओं के अमेरिकी विक्रेताओं को टैरिफ द्वारा प्रेरित मूल्य वृद्धि के कारण व्यापार में नुकसान का डर।

30 नवंबर को अमेरिका के राष्टपति पद के लिए निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पर एक धमकी पोस्ट की, जिसमें चेतावनी दी गयी कि यदि ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर को छोड़ देते हैं, तो उन्हें 100प्रश टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। लेकिन यह कोई नयी धमकी नहीं है और इसी तरह की चेतावनियां अन्य क्षेत्रों पर भी निर्देशित की गयी हैं, जिनमें मेक्सिको और चीन जैसे निकटवर्ती मित्र देश शामिल हैं, औरजिनमें टैरिफ के खतरों का विस्तार विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों तक हैं।

नेशनल रिटेल फेडरेशन द्वारा हाल ही में किये गये एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि परिधान, खिलौने, फर्नीचर, उपकरण, जूते और यात्रा के सामान पर ट्रम्प के प्रस्तावित टैरिफ से उपभोक्ताओं को सालाना 46अरब डॉलर से 78अरब डॉलर तक का अतिरिक्त नुकसान हो सकता है। इन सबका मतलब है उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतें, और चीनी वस्तुओं के अमेरिकी विक्रेताओं को टैरिफ द्वारा प्रेरित मूल्य वृद्धि के कारण व्यापार में नुकसान का डर।

जहां एक ओर चीन को टैरिफ का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, वहीं दूसरी ओर भारत सहित अन्य पड़ोसी देशों को छूट मिलने की संभावना नहीं है। ट्रम्प ने न केवल भारत को %टैरिफ किंग% करार दिया, बल्कि उन्होंने राष्टपति के रूप में अपने अंतिम कार्यकाल के दौरान देश को सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जीएसपी) से भी हटा दिया था। 1974 के व्यापार अधिनियम द्वारा स्थापित जीएसपी के तहत, अमेरिकी नीति निर्माताओं ने नामित लाभार्थी देशों - मुख्य रूप से कम आय वाले देशों- से लगभग 3,500 उत्पादों के आयात को तरजीही शुल्क-मुक्त (शून्य-टैरिफ) दर पर अनुमति दी। इसका उद्देश्य इन देशों को अमेरिका के साथ अपने व्यापार को बढ़ाने और विविधता लाने में मदद करना था। विश्व बैंक के अनुसार, %कम आय वाला% देश वह है जिसकी प्रति व्यक्ति आय 2023 में प्रति वर्ष 1,045 से कम है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,700 प्रति वर्ष होने के कारण, ट्रम्प की स्थिति

तकनीकी रूप से सही है। भारतीय कम्पनियां अब जीएसपी के तहत तरजीही व्यवहार के लिए योग्य नहीं हो सकती हैं, यह देखते हुए कि भारत अब कम आय सीमा को पूरा नहीं करता है।

चूंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना हुआ है, इसलिए बढ़ते प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों के साथ देश के लिए दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। भारत के कुल निर्यात का लगभग 18प्रश अमेरिका को निर्देशित किया जाता है, जिसका मूल्य 2023 में 77अरब और 2022 में 78अरब था।

हालांकि, यदि जीएसपी को वापस लेने सहित पिछ्ले प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों को कोई संकेत माना जाये, तो इसका प्रभाव अपेक्षाकृत मामूली रहा है। जीएसपी के तहत योग्य वस्तुओं की एक त्वरित समीक्षा से पता चलता है कि वे मुख्य रूप से कपड़ा और परिधान, घड़ियां, जूते, काम के दस्ताने, ऑटोमोटिव घटक और चमड़े के परिधान जैसी श्रेणियों में आते हैं। भारत द्वारा अमेरिका को किये जाने वाले निर्यात में मुख्य रूप से हीरे (19प्रश), पैकेज्ड दवाइयां (14प्रश), परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद (8.9प्रश), ऑटोमोटिव घटक (2.1प्रश), तथा वस्त्र और परिधान (3.7प्रश) शामिल हैं।भारत के अधिकांश प्रमुख निर्यात आय-संवेदनशील हैं, और कमजोर वैश्विक मांग का प्रभाव पड़ रहा है। दूसरी ओर, एक मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था ऊर्जा और जीवाश्म ईंधन की उच्च मांग को बढ़ावा देती है, जिनमें से अधिकांश आयात किये जाते हैं।

सरकार ने बढ़ते चालू खाता घाटे को दूर करने के लिए कई कदम उठाये हैं। भारत रूस से रियायती तेल आयात करना जारी रखा है, जिसका व्यापार टोकरी में हिस्सा 1प्रश से बढ़कर 22प्रश हो गया है। पिछ्ले साल भारत ने इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले 100प्रश टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। सोने के आयात पर अंकुश लगाने के लिए सीमा शुल्क को 7.5प्रश से बढ़ाकर 12.5प्रश कर दिया गया। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी पहलें भी की गई हैं।

हालांकि, सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण मूल्य वर्धन का योगदान 17प्रश पर स्थिर बना हुआ है, जो विनिर्माण प्रतिस्पर्धा में कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं दर्शाता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विनिर्माण का एक प्रमुख चालक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रतिस्पर्धात्मकता में गिरावट आ रही है, सकल एफडीआई प्रवाह घटकर मात्र 1प्रश रह गया है, और शुद्ध एफडीआई वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 0.6प्रश रह गया है - जो 2005-06 के बाद से नहीं देखा गया है। कारोबारी माहौल में कठोरता, उलटा शुल्क ढांचा (आईडीएस), और द्विपक्षीय संधियों को समाप्त करने के भारत के फैसले को एफडीआई के प्रवाह को हतोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

विदेशी विनिर्माण दिग्गजों के प्रभुत्व वाले दो सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार करें, अर्थात् ऑटोमोबाइल और कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स (सीएसडी)। ये दोनों उद्योग माल और सेवा कर (जीएसटी) की उच्चतम संभव दर को आकर्षित करते हैं जो 28प्रश है और अतिरिक्त उपकर कुल शुल्क को 40प्रश तक ले जाता है।

चीनी पेय पदार्थों पर कर लगाने की वैश्विक प्रथा के विपरीत, भारत सीएसडी पर उच्च कर लगाने के लिए खड़ा है। कम और शून्य चीनी वाले सीएसडी पर उच्च कर डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सिफारिशों के विपरीत हैं, जो चीनी सामग्री के आधार पर कर के पक्ष में हैं। 120 से ज़्यादा देशों ने स्तरित कर नीतियां अपनाई हैं, जहां कम चीनी सामग्री पर कम कर लगता है, ताकि स्वस्थ उत्पाद सुधार को बढ़ावा मिले। इसी तरह, जब राज्य सरकारें ऑटोमोबाइल पर उच्च सड़क कर लगाती हैं, तो यह धारणा कि मांग में लचीलापन नहीं है और उपभोक्ता इसके बावजूद भुगतान करेंगे, अंततः विदेशी निवेश को कमज़ोर कर रही है।

अपने पिछ्ले कार्यकाल के दौरान, ट्रम्प ने खुद को एक प्रमुख हथियार डीलर के रूप में स्थापित किया, जो अधिक हथियार बेचने पर केंद्रित था। भारत ने 2008 से लगभग 20 अरब डॉलर के अमेरिकी मूल के रक्षा सामान का अनुबंध किया है। संभावित ट्रम्प 2.0 में यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है। भारत को अपनी ओर से टैरिफ पर कम तथा घरेलू विकृतियों को दूर करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

गीता से ही भारत विश्व गुरु है : अशोक पाठक

- चरित्र और नैतिकता व्यक्ति को बनाती है महान : सिस्टर बिस्ला

सेट एंथोनी गर्ल्स कालेज में गीता विज्ञान, कर्मयोग पर व्याख्यान संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक ने सेंट एंथोनी गर्ल्स कालेज में आज "गीता विज्ञान और कर्मयोग" पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक ने कहा कि भारत विश्व गुरु के रूप में विख्यात है क्योकि उसके पास गीता है। उन्होने कहा कि गीता योगिराज भगवान श्री कृष्ण के द्वारा सम्पूर्ण मानव समाज को दिया गया ऐसा ज्ञानोपदेश है जिसमे विश्व का सम्यक, शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण संचालन सुखपूर्वक सुनिश्चित करने की विधि वर्णित है।

सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक ने कहा कि ज्ञानयोग, न्याय योग, भक्ति योग, सांख्य योग और राजयोग आदि का तार्किक सार्वभौमिक सम्यक ज्ञान गीता से प्राप्त होता । उन्होने कर्म, अकर्म और विकर्म की व्याख्या करते हुए बताया कि व्यक्ति को जो काम करने योग्य हैं वह कर्म हैं, और जो कर्म नहीं करने चाहिए वह अकर्म हैं' साथ ही विहित कर्म के विपरीत कर्म को विकर्म का कहते हैं '

उन्होंने कहा कि गीता में कर्मो को संयमित और नियंत्रित करने के उपाय बताये गये हैं। गीता में कहा है कि

ध्यायतो विषयान्पुंसः संगस्तेषु उपजायते। संगात सञ्जायते कामः काम क्रोधो भिजायते ॥ क्रोधाद्?भवति संमोहा, संमोहाद स्मृति विभ्रम ।

स्मृति भ्रंशाद बुद्धिनाशो बुद्धि नाशात प्रणश्वति , अर्थात विषयों का ध्यान करने से उनके संगत्व की इच्छा उत्पन्न होती है। संगत्व से कामना की और कामना पूर्ति में बाधा होने पर क्रोध की उत्पत्ति होती है।

पं अशोक कुमार पाठक ने कहा कि क्रोध से मोह की और मोह से स्मृतिनाश की या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और स्मृति नाश होने पर बुद्धि का तथा बुद्धिनाश होने पर व्यक्ति का ही विनाश हो जाता है। विषयों का ध्यान मात्र से व्यक्ति के विनाश, की स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं।

उन्होंने कहा कि अत्यधिक विलासिता, स्वार्थ और भोग की प्रवृत्ति अन्याय, अशांति और अविवेक को जन्म देती है, जिससे सामाजिक क्लेष उत्पन्न होते है जो कि मानवता और प्राकृतिक संतुलन को भी संकट में डालते है। उन्होंने कहा कि न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना ही राज धर्म है और संस्कारों से धर्म में आस्था प्रगाढ़ होती है '

प्रिन्सिपल सिस्ट बिस्ला ने कहा कि चरित्र और नैतिकता ही व्यक्ति को महान बनाती है ' चरित्रवान नागरिकों से उन्नत राष्ट्र का निर्माण होता है ' कार्यक्रम समापन पर सनातन एकता मिशन की ओर से छात्राओं और शिक्षकों को गीता का वितरण किया गया '

संगम नोज और घाटों का निरीक्षण कर हकीकत से रूबरू हुए पुलिस अफसर

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला के सकुशल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन भानु भास्कर, पुलिस आयुक्त प्रयागराज तरुण गाबा, अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज एन कोलांची व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुम्भ ने कुम्भमेला की तैयारियों के सम्बन्ध में मेला क्षेत्र के स्नान घाटों, संगम नोज का निरीक्षण कर हकीकत का अवलोकन किया। इस अवसर पर संगम नोज पर घुड़सवार पुलिस द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल का निरीक्षण कर सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

पैसे के लेनदेन के विवाद में युवक की गला घोटकर हत्या

दो दिन पहले मौसी के घर फतेहपुर घाट गया था युवक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के कुरई गांव का रहने वाला युवक दो दिन पहले अपने मौसी के गांव प्रयागराज जनपद के पूरामुफ़्ती थाना क्षेत्र के फतेहपुर घाट गया था जहां पैसे के लेनदेन के विवाद को लेकर 20 दिसंबर की शाम को उसका गला घोट करके हत्या कर दी गई है जानकारी मिलते ही मृतक के भाई मान सिंह सहित परिवार के लोग मौके पर पहुंचे हैं मामले की सूचना पूरामुफ्ती थाना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिवार में कोहराम मचा है हत्या के पीछे पैसे का लेनदेन का विवाद बताया जाता है और हत्या करने वाले लोग प्रयागराज जनपद के धूमनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जाते हैं।

जानकारी के मुताबिक कौशांबी जिले के संदीपन घाट थाना क्षेत्र के कुरई गांव के रहने वाले अरुण कुमार पुत्र गुलाब चंद्र दो दिन पहले 18 दिसंबर को प्रयागराज जनपद के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के फतेहपुर घाट में अपने मौसी के घर मिलने गए थे और वहीं रुक गए थे इस बात की जानकारी कुछ लोगों को लग गई पैसे के लेनदेन का विवाद था जानकारी मिलने के बाद धूमनगंज थाना क्षेत्र के कुछ लोग फतेहपुर घाट पहुंचे और युवक को घर से बाहर बुला लिया बताया जाता है कि गमछा से गला घोटकर अरुण की हत्या कर दी गई है इस बात की जानकारी जैसे ही और उनके परिवार के लोगों को मिली रोते बिलखते परिवार के लोग फतेहपुर घाट गांव पहुंच गए मामले की सूचना पुलिस को दी गई है पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या करने वाले लोगों की तलाश कर रही है।

क्लैट कोचिंग संचालकों पर धोखाधड़ी का मुकदमा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । सिविल लाइंस थाने में क्लैट पॉसिबल कोचिंग संचालक सत्यम शंकर सहाय, सुरभि मोदी सहाय और मीनू अरोड़ा खन्ना के खिलाफ धोखाधड़ी करने व जानबूझकर चोट पहुंचाने के आरोप में नामजद मुकदमा दर्ज हुआ है। पूर्व निर्धारित शिक्षकों को हटाने व कोचिंग की फ्रेंचाइजी दूसरे को देने के अलावा फीस वापस मांगने पर मारपीट करने का आरोप है। सिविल लाइंस थाने में छोटा बघाड़ा निवासी बालमुकुंद सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बालमुकुंद सिंह ने अनुसार विनायक टावर सिविल लाइंस स्थित कोचिंग में अपनी बेटी मैत्री सिंह का एडमिशन कराया था। दो वर्षीय कोर्स के लिए एक लाख 40 हजार रुपये फीस भी जमा की थी। कोचिंग संचालक सत्यम शंकर सहाय, सुरभि मोदी सहाय व मीनू अरोड़ा खन्ना ने बिना पूर्व सूचना के ही धोखाधड़ी कर निर्धारित शिक्षकों को हटाकर कोचिंग की गौरव अग्रवाल को फ्रेंचाइजी दे दी। कोचिंग के मुख्यालय हजरतगंज लखनऊ से भी संपर्क किया। फीस वापस करने की मांगने पर चार नवंबर को बालमुकुंद को पत्रिका चौराहे पर बुलाकर लगभग 10-15 अज्ञात मसल्स मैन से हमला कराया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि कोचिंग के तीन संचालकों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना कर विविध कार्रवाई की जाएगी।

एंटी करप्शन टीम ने लेखाकार को पांच हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। लाख कोशिश के बावजूद रिश्वतखोर अपनी करतूत से बाज नहीं आ रहे हैं। चांदी का जूता खाकर ही काम करने के आदी हो चुके कतिपय भ्रष्ट लोग अपनी खराब आदत नहीं छोड़ पा रहे हैं। शुक्रवार को एंटी करप्शन टीम ने प्रयागराज कलेक्ट्रेट कोषागार के एक लेखाकार को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोच लिया। इस भ्रष्ट लोकसेवक को गिरफ्तार कर जार्ज टाउन थाना में धारा 7/13(1) बी सपठित धारा 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार,

कृष्ण प्रताप सिंह पुत्र स्व० महेश प्रकाश मौर्य ग्राम गधिना पोस्ट- मेहरौड़ा थाना सोरांव जनपद- प्रयागराज के पिता की मृत्यु के पश्चात उनकी माता के नाम पेंशन स्थानान्तरित करने के एवज में कृष्ण प्रताप सिंह से लेखाकार ने काम करने के लिए पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। 19 दिसंबर को कृष्ण प्रताप सिंह ने इस आशय की लिखित शिकायत एंटी करप्शन विभाग में की। शिकायतकर्ता के प्राप्त प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को भ्रष्टाचार निवारण संगठन लखनऊ, उत्तर प्रदेश की इकाई थाना प्रयागराज की टीम ने कलेक्ट्रेट कोषागार प्रयागराज कार्यालय में जाल बिछाया। यहां से रिश्वत लेते अजय कुमार त्रिपाठी को टीम ने रंगेहाथ पकड़ लिया। इस दौरान वहां अफरा तफरी मच गई। रिश्वतखोर अजय कुमार त्रिपाठी पुत्र स्व० मारकण्डेय नाथ त्रिपाठी ग्राम कतवारुपुर, पोस्ट हनुमानगंज, थाना सरायइनायत जनपद प्रयागराज का निवासी और कलेक्ट्रेट कोषागार प्रयागराज में लेखाकार है। इसे लोक सेवक साक्षीगण के समक्ष रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। ट्रैप टीम में प्रभारी ट्रैप टीम निरीक्षक राकेश बहादुर सिंह, भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज, निरीक्षक रविन्द्र सिंह भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज, निरीक्षक अलाउद्दीन अंसारी भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज, निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह यादव भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज के अलावा हेड कांस्टेबल शशिकान्त शर्मा भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज, हेड कांस्टेबल योगेन्द्र कुमार - भ्र०नि०सं० थाना,इकाई प्रयागराज, वेद प्रकाश मिश्रा भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज, सुनील यादव भ्र०नि०सं० थाना,इकाई प्रयागराज, विजेन्द्र कुमार मय सरकारी वाहन भ्र०नि०सं० थाना, इकाई प्रयागराज शामिल रहे।

मृतक दरोगा को नम आंखों से किया गया सुपुर्दे खाक

प्रभारी निरीक्षक सोरांव के नेतृत्व में ऑनर ऑफ गार्ड द्वारा दी गई सलामी

सबसे तेज प्रयागराज

मोहम्मद रिजवान सैफ खान

सोरांव। थाना क्षेत्र के कृपाल पुर गांव के रहने वाले उप निरीक्षक मुख्ताब उद्दीन पुत्र नजीब उद्दीन उम्र 55 वर्ष की गुरुवार को जनपद सुलतान पुर के थाना कुड़वार में ड्यूटी के दौरान अचानक तबियत बिगड़ने पर इलाज के लिए ले जाते समय मृत्यु हो गई जहां प्रथम दृष्टया डॉक्टरो ने दिल का दौरा पड़ने से मौत होने का कारण बताया सूचना पर जनपद सुलतान पुर पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल करते हुए परिजनो को सूचना दिए आनन फानन में परिजन सुलतान पुर पीएम हाउस पहुचे और शव का पोस्टमार्टम के बाद रात 10 बजे लगभग शव सोरांव थाना क्षेत्र के पैतृक गांव कृपाल पुर पहुंचा जहां शुक्रवार को 4 बजे उनके आबाई कब्रिस्तान में नम आंखों से सुपर्दे खाक किया मृतक दरोगा के अन्तिम संस्कार के दौरान प्रभारी निरीक्षक सोरांव ब्रिजेश तिवारी मय फोर्स के साथ मौके पर मुस्तैद रहे वहीं गार्ड आफ आनर द्वारा सलामी दिया गया आपको बता दें 1989 बैच के कांस्टेबल पद पर भर्ती हुए मुख्ताब उद्दीन 2024 जनवरी में थाना कुड़वार में उप निरीक्षक के पद पर नियुक्त किए गए थे मृतक दरोगा के भतीजे कलाम शेख ने बताया कि 3 भाईयो में सबसे छोटे थे मृतक दरोगा वहीं अपने पीछे पत्नी अफसा बानो वा एक बेटी साहिबा उम्र 18 वर्ष वा दो बेटे मोहम्मद वकार उम्र 24 वर्ष वा अल्ताफ उम्र 20 वर्ष को छोड़ गए अभी तक किसी भी बच्चे की शादी नही हुई है वही पिता नजीब उद्दीन सहित परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है अचानक हुई मौत से क्षेत्र के लोगों में गम का माहौल है वहीं पुलिस महकमे में भी गम का माहौल है।

हंडिया पुलिस ने चोरी का ट्रक पकड़ा, दो गिरफ्तार

लगा रखे थे फर्जी नंबर प्लेट

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया/प्रयागराज। हण्डिया थाना पुलिस टीम ने ट्रक के रजिस्ट्रेशन नंबर को कूटरचित करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी का एक ट्रक बरामद किया गया। इसकी अनुमानित कीमत तीस लाख रुपए आंकी जा रही है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में हरकिशन सिंह पुत्र स्व0 शिवप्रताप सिंह निवासी ग्राम रामनगर गंसियारी बसौनापुर थाना मऊआइमा, कय्यूम उर्फ फैसल पुत्र स्व0 सिराज निवासी ग्राम तेजगढ़ थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ हैं। इन दोनों को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत उपरदहा पहलवान वीर बाबा स्थित सर्विस रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। बरामद चोरी के ट्रक में कूटरचित रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज है। हण्डिया थाने में मु0अ0सं0-706/2024 धारा-317(2)/317(5)/338/336(3)/340(2) मुकदमा पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में हंडिया थाना प्रभारी निरीक्षक बृजकिशोर गौतम, चौकी प्रभारी बरौत सौरभ पाण्डेय, उदय नारायण यादव, हेड कांस्टेबल संजय यादव, कांस्टेबल योगेश कुमार शामिल रहे।

रेलवे स्टेशन की परखी सुरक्षा व्यवस्था

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अभिषेक यादव व आरपीएफ कमाण्डेंट वाराणसी एस आर कृष्णन ने रेलवे स्टेशन प्रयागराज रामबाग व रेलवे स्टेशन झूंसी की सुरक्षा व्यवस्था,

बैरक और मेस का निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अभिषेक यादव द्वारा अस्थाई जीआरपी थाना रामबाग व अस्थाई जीआरपी थाना झूंसी का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में मेला क्षेत्र में ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों हेतु स्थापित बैरक तथा मेस का निरीक्षण कर सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक मधुप कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज राजीव रंजन उपाध्याय व जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु होल्डिंग एरिया की तैयारियों के सम्बन्ध में भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक मधुप कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज राजीव रंजन उपाध्याय व जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं सुविधा के लिए टूर गाइड्स को किया जा रहा प्रशिक्षित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज/महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु गाइड ,वोटमैन, वेंडर्स, एवं टैक्सी ड्राइवरों को यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में होटल राही सिविल लाइंस में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट के मार्गदर्शन में दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ में सुगम यातायात हेतु इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी श्रद्धालु जिस भी मार्ग से आ रहे हो उन्हे सुगमता पूर्वक संगम या अन्य स्नान घाट तक पहुंचाए और मेले में वाहनों को चैराहों से उचित दूरी पर खड़ा होने के लिए उनके ड्राइवरों को बताए और स्नेहपूर्वक श्रद्धालुओं से चौराहे पर न खड़े होने को बताएं। मेले के निकटतम रेलवे स्टेशन के नाम वा दूरी की जानकारी अवश्य रखें साथ ही साथ क्षेत्र में ड्यूटी लगाई जाए उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए,यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति ,या कोई अप्रिय घटना घटित होती हैं तो आपने मोबाइल से अपना लाइव लोकेशन उच्च अधिकारियों को भेज कर डिटेल लिखकर अवगत कराएं। आपस के सहयोगी साथियों के साथ एक ग्रुप बना लें जो असुविधा हो आपस में समन्वय बनाए रखें,

वसुधैव कुटुंबकम-सेवा भाव से मेले में जो भी नियम बनाए जाएंगे उसका पालन करें। जिस घाट पर छमता से अधिक भीड़ हो उन घाटों पर न जाने के श्रद्धालुओ से अपील करें और प्रशासन का सहयोग करें असुविधा होने पर मदद भी लेते रहें और शालीनता पूर्वक पालन कराएं। दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग का भी ध्यान रखें और उनकी भाषा से भी यह समझ लीजिए की ये व्यक्ति किस राज्य का होगा उसे उसी रूट के तरफ का रास्ता बताएं।हर रूट के वाहन पार्किंग की भी जानकारी याद रखने की आवश्यकता है अतिथि देवो भव की भावना से मेले में अपना योगदान दें।जो अपने सगे संबंधियों से बिछड़ गए हो उन्हे साउंड सिस्टम से पुकारा कराएं और भूले भटके शिविर में भेजवा दें,मेले के दौरान शहर के प्रमुख चैराहों के वर्तमान नाम से ही नाम लें जिससे लोगों को सही स्थान तक ले जाया जा सके, संदिग्ध व्यक्तियों के दिखने पर प्रशासन को सूचना दें,

जिससे मेले में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। आप सभी के अच्छे आचरण, ईमानदारी,प्रेम व्यवहार से ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के नजर में प्रायगराज की छवि उत्तम बन सकती हैं इसलिए आप सभी लोग प्रयागराज को मात्र मेले तक ही पर्यटन के केंद्र न बनने दें हमेशा था टूरिस्ट आए और जिससे प्रयागराज हमेशा टूरिस्ट का केंद्र बन जाए जिससे सभी को लाभ भी होगा। और देश विदेश में तीर्थराज प्रयागराज की अलग पहचान बनेगी। यह आयोजन प्रशिक्षण समन्वयक मनीष पाण्डेय के उपस्थिति में किया गया और प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरी कर उनके सवाल के जवाब दिया गया।जिसमें समाज सेवी नितीश शुक्ल,सतेन्द्र कुमार, रजित कुमार उपस्थित रहे।

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं

नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईर्ष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडऩे वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडऩे का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडऩे में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और

> भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फ्रीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

दक्षिण कोरिया में कार्यवाहक राष्ट्रपति ने छह विधेयकों को वापस लौटाया

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने पिछले महीने विपक्ष-नियंत्रित नेशनल असेंबली में पारित छह विधेयकों को वीटो कर दिया। उन्होंने यह विधेयक वापस भेज दिए। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने धमकी दी थी कि अगर वह ऐसा करेंगे (सीमा पार करेंगे) तो उन पर महाभियोग चलाया जाएगा। द कोरिया हेरल्ड समाचार पत्र के अनुसार, कोरिया के संवैधानिक इतिहास में यह दूसरी बार है कि किसी कार्यवाहक राष्ट्रपति ने अपनी वीटो शक्ति का प्रयोग किया। इससे पहले आखिरी बार 2004 में ऐसा हुआ था। राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ नेशनल असेंबली में शनिवार को महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद प्रधानमंत्री हान को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। इससे पहले कैबिनेट ने आज सुबह हुई एक बैठक में संसद से छह विधेयकों पर पुनर्विचार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसमें अनाज प्रबंधन अधिनियम में संशोधन भी शामिल है। कार्यवाहक राष्ट्रपति के कार्यालय ने दोपहर को कहा कि हान के फैसले के बाद विधेयकों को संसद में वापस भेज दिया गया। कैबिनेट बैठक के दौरान हान ने कहा, कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में मैंने बार-बार उस विकल्प पर विचार किया जो देश के लिए गंभीर स्थिति में एक जिम्मेदार सरकार के रुख का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करेगा।

मोहम्मद यूनुस काहिरा में, मलेशिया से रोहिंग्या संकट के समाधान पर समर्थन मांगा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने रोहिंग्या संकट को हल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने को लेकर मलेशिया से समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि म्यांमार के रखाइन राज्य में नए सिरे से हिंसा के कारण हाल ही में 80,000 से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश में प्रवेश कर चुके हैं। बीडीन्यूज24डॉटकॉम के अनुसार, मोहम्मद यूनुस ने आज मलेशिया के उच्च शिक्षा मंत्री जाम्ब्री अब्दुल कादिर के साथ बैठक में यह मामला उठाया। यूनुस आर्थिक सहयोग के लिए डी-8 संगठन के 11वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए काहिरा (मिस्र) में हैं। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने यहां बयान जारी कर कहा कि उन्होंने सेंट रेजिस होटल में कादिर से मुलाकात की। बयान के अनुसार, चर्चा आपसी हितों पर केंद्रित रही। इसमें रोहिंग्या संकट प्रमुख रहा। यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि रखाइन राज्य सदियों से रोहिंग्याओं का घर रहा है। उन्होंने उनकी सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए रखाइन में संयुक्त राष्ट्र-पर्यवेक्षित सुरक्षित क्षेत्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा।

नेपाल की विदेश मंत्री राणा पांच दिवसीय दौरे पर पहुंचीं नई दिल्ली

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा पांच दिवसीय दौरे पर गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचीं। यूरोप की 10 दिवसीयी यात्रा पूरी करने के बाद डॉ. राणा जर्मनी से नेपाल लौटने के क्रम में यहां पहुंची हैं। डॉ. राणा के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने पर दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के कार्यवाहक राजदूत डॉ. सुरेंद्र थापा ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के नेपाल डेस्क के निदेशक अमित कुमार मिश्रा भी मौजूद रहे। डॉ. थापा ने एक बयान में बताया कि अपने पांच दिवसीय दौरे में डॉ. राणा दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल में स्वास्थ्य जांच कराएंगी। इसके बाद विदेश मंत्री डॉ. राणा अपने भारतीय समकक्ष डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात कर सकती हैं। हालांकि अभी समय तय नहीं हो पाया है। सूत्रों ने बताया कि बीआरआई प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर करने के बाद नई दिल्ली पहुंचीं डॉ. राणा अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात कर अपना पक्ष रखना चाहती हैं।

पीटीआई ने सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने अपने सविनय अवज्ञा आंदोलन को तक के लिए स्थगित कर दिया है। प्रमुख विपक्षी दल पीटीआई ने कहा कि वह मुल्क के विकास के लिए हुकूमत के साथ बातचीत करने को तैयार है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, पीटीआई के वकील चौधरी फैसल हुसैन ने कहा कि इमरान खान ने पार्टी नेतृत्व से रविवार तक इंतजार करने को कहा है। अगर सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया जाएगा। हुसैन ने कहा कि सरकार को पीटीआई की मांगों को स्वीकार करना चाहिए। अगर उसे लगता है कि मांगें वास्तविक नहीं हैं तो बातचीत करे। हुसैन ने कहा कि संसदीय दल की बैठक में साफ किया जा चुका है कि इमरान खान ने हुकूमत से बातचीत के लिए समिति का गठन किया है।

फ्रांस में चक्रवात चिडो का कहर, 31 लोगों की मौत

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस के मायोट में चक्रवात चिडो के कारण अब तक 31 लोगों के मरने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। फ्रांस के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के अनुसार, चक्रवात चिडो की वजह से लगभग 1,400 लोग घायल हुए हैं।

विदेश विभाग में बुधवार देर रात असाधारण प्राकृतिक आपदा की स्थिति की घोषणा की गई। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मायोट भी पहुंचे। ऐसी आशंका जताई गई कि सबसे गरीब फ्रांसीसी विभाग में मरने वालों की संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है।

विदेश मामलों के कार्यवाहक मंत्री फ्रेंकोइस-नोएल बफेट ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में मायोट में असाधारण प्राकृतिक आपदा की स्थिति लागू करने की घोषणा की, ताकि तेजी से और अधिक प्रभावी संकट प्रबंधन तथा

आपातकालीन उपायों को लागू किया जा सके। उन्होंने कहा, इस असाधारण स्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने और मायोट के लिए एक स्थायी पुनर्निर्माण योजना को लागू करने के लिए असाधारण संसाधनों को तैनात किया जाना चाहिए। इससे पहले इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसायटीज ने चक्रवात द्वारा द्वीपों को तबाह करने के बाद अपने 200 से अधिक स्वयंसेवकों के लापता होने की आशंका पर चिंता व्यक्त की थी।

गत 13 दिसंबर की रात को मायोट में आए चक्रवात चिडो की वजह से 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। यह 90 साल से भी ज्यादा समय में सबसे शक्तिशाली तूफान था। तूफान ने अब तक 31 लोगों की जान ले ली है, 1,400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और लगभग 70 प्रतिशत आबादी इससे प्रभावित हुई है। तूफान की वजह से घरों, सरकारी इमारतों और एक अस्पताल को नुकसान पहुंचा है। माना जा रहा है कि व्यापक क्षति हुई है। मायोट के मुख्य एयरपोर्ट को नागरिक उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया है। राहत कार्यों के लिए केवल सैन्य विमान ही उड़ान भर रहे हैं।

यूक्रेन मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रम्प से किसी भी समय बातचीत को तैयार पुतिन

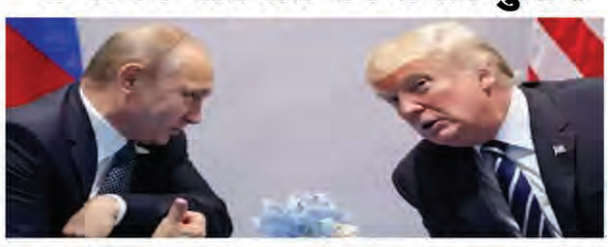

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध पर वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने को तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि चूंकि युद्ध खत्म करने के लिए रूस और यूक्रेन दोनों को समझौता करना होगा। इसके लिए कोई शर्त नहीं है। दरअसल, एक बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कार्यालय में आने के कुछ ही घंटों के भीतर वो यूक्रेन शांति समझौता कराने की बात कही थी। इसी को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साल की आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार हैं। पुतिन ने आगे कहा कि रूस इस समय 2022 से ज्यादा मजबूत स्थिति में है। यूक्रेन में रूसी सेना आगे बढ़ रही है, बावजूद इसके वह वार्ता और समझौते के लिए तैयार हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेन में लड़ाई जटिल है लेकिन रूसी सेना यूक्रेनी सशस्त्र बलों को कुर्स्क क्षेत्र से जरूर बाहर निकाल देगी। उन्होंने कहा कि हमारे लोग लड़ रहे हैं। अभी लड़ाई चल रही है और गंभीर लड़ाई चल रही है। निश्चित रूप से हमारी सेना उन्हें बाहर निकाल देगी, इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है।

अमेरिकी सरकार ने तहव्वुर राणा की याचिका खारिज करने की अपील की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा की याचिका को खारिज करने की मांग की है। दरअसल, मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा ने खुद को भारत में प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। तहव्वुर राणा पर 2008 मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप है। मुंबई हमले के दोषी पाकिस्तान मूल के कनाडाई बिजनेसमैन तहव्वुर राणा को भारत अपनी धरती पर लाना चाहता है। ऐसे में भारत प्रत्यारोपण के खिलाफ तहव्वुर राणा ने याचिका सुप्रीम कोर्ट में लगाई है। जिसके बाद आज संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने वहां के सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि राणा की याचिका को खारिज कर दिया जाए। अमेरिकी सरकार का कहना है कि राणा का भारत को सौंपा जाना कानूनी रूप से सही है और यह देश की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है।

> भारत सरकार ने उसकी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन राणा ने इस पर रोक लगाने के लिए अमेरिकी अदालत में याचिका दायर की थी।

तहव्वुर राणा पर आरोप है कि उसने मुंबई हमले के हमलावरों को वित्तीय मदद दी थी और उन्हें हमले के लिए तैयार किया था। भारत सरकार ने उसकी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन राणा ने इस पर रोक लगाने के लिए अमेरिकी अदालत में याचिका दायर की थी। जिस पर अमेरिकी सरकार ने कोर्ट से राणा की याचिका खारिज करने की अपील की।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को देशद्रोह के चक्रव्यूह से निकालने की तैयारी

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर विधायिका और न्यायपालिका के सवालों का सामना करने के लिए राष्ट्रपति यून सुक येओल की कानूनी टीम में किम हेंग-इल और यून गैप-ग्यून को शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। किम हेंग-इल कोरिया संचार आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं बुसान उच्च अभियोजक कार्यालय के पूर्व मुख्य अभियोजक और यून गैप-ग्यून डेगू उच्च अभियोजक कार्यालय के पूर्व मुख्य अभियोजक हैं। यह जानकारी राष्ट्रपति येओल के कानूनी सलाहकार और वरिष्ठ अधिवक्ता सेओक डोंग-ह्योन ने आज दी। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, सेओक डोंग-ह्योन ने कहा कि राष्ट्रपति येओल ने जिन परिस्थियों में मार्शल लॉ की घोषणा की उसे देशद्रोह तो

कतई नहीं कहा जा सकता। मार्शल लॉ की घोषणा से जनता को जो झटका लगा है, उसके लिए हम माफी मांगते हैं। उन्होंने यह साफ किया कि वह येओल के बचाव में न्यायपालिका में खड़े नहीं होंगे। वह सिर्फ उनके कानूनी सलाहकार की भूमिका में रहना पसंद करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मार्शल लॉ की घोषणा समयकाल और परिस्थितिजन्य है। इसलिए वह देशद्रोह नहीं हो सकता। सेओक ने राष्ट्रपति की मार्शल लॉ की सार्वजनिक घोषणा को देशद्रोह करार देने के तर्क पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मुझे यह भी बताया गया कि राष्ट्रपति ने कभी भी (सांसदों के संदर्भ में) गिरफ्तारी या खींचने जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। येओल ने मार्शल लॉ घोषित करने के बाद 300 से भी कम निहत्थे सैनिकों को नेशनल असेंबली में भेजा था। राष्ट्रपति ने उन्हें नागरिकों के साथ किसी भी टकराव से बचने का आदेश दिया था। कानूनी सलाहकार ने कहा कि राष्ट्रपति येओल अपने आवास में ही हैं। उनके विशेषाधिकारों को निलंबित कर दिया गया है। वह अपने आवास पर कानूनी लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं। सलाहकार सेओक डोंग-ह्योन ने राष्ट्रपति के पुलिस समन की अनदेखी करने के सवाल का जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि उनके आधिकारिक प्रवक्ता या खुद येओल इसका जवाब देंगे।

ग्रीस नौका हादसे में कम से कम 40 पाकिस्तानियों की मौत, दूतावास ने भेजी रिपोर्ट

एजेंसी

इस्लामाबाद। हाल ही में ग्रीस के पास समुद्र में तीन नावों के पलटने से पाकिस्तान के कम से कम 40 नागरिकों की मौत हो गई। इनमें से सिर्फ पांच के शव खोजे जा सके हैं। बाकी के जीवित बचने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए उनको भी मृत मान लेना चाहिए। वजह यह है कि ग्रीस तटरक्षक बल ने समुद्र में बचाव अभियान को बंद कर दिया है।

ग्रीस की राजधानी एथेंस से पाकिस्तान के दूतावास ने सरकार को भेजी रिपोर्ट में यह सूचना साझा की है। न्यूज चैनल में प्रसारित खबर के अनुसार, लीबिया में अभी भी 5,000 से अधिक पाकिस्तान के नागरिक हैं। वह लीबियाई और पाकिस्तानी एजेंटों के साथ यूरोप की यात्रा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पाकिस्तान से वीजा प्राप्त किया और कानूनी रूप से लीबिया पहुंचे। ग्रीस के समुद्रीय जल क्षेत्र में पलटने वाली तीन नावें लीबिया के टोब्रुक बंदरगाह से आई थीं। पहले जहाज में 45 यात्री सवार थे। इनमें से छह पाकिस्तानी थे। दूसरी नाव

पर सवार 47 यात्रियों में से पांच पाकिस्तानी थे। तीसरी नाव में सवार 83 यात्रियों में तीन बांग्लादेशी, दो मिस्त्र, दो सूडानी और 76 पाकिस्तानी शामिल थे। एक नाव से पांच पाकिस्तानियों के शव बरामद हुए। इनमें चार के नाम हैं- सुफियान, रहमान अली, हाजी अहमद और आबिद। पांचवें की पहचान नहीं हो सकी। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अधिकारियों को मानव तस्करों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। शहबाज ने अधिकारियों को याद दिलाया कि पिछले साल उसी क्षेत्र में एक अन्य घटना में 262 पाकिस्तानी नागरिकों की जान चली गई थी।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया बीमार, ढाका में कल होने वाली बीएनपी की रैली स्थगित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में कल होने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्वतंत्रता सेनानियों की रैली को स्थगित कर दिया गया है। बीएनपी ने यह घोषणा पार्टी नेता पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अचानक बीमार पड़ने की वजह से की। बीडीन्यूज24डॉटकॉम के अनुसार, रैली को स्थगित करने की घोषणा बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने आज ढाका के गुलशन में बीएनपी अध्यक्ष कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। उन्होंने कहा कि इस वजह से खालिदा जिया ने चिकित्सा उपचार के लिए अपनी विदेश यात्रा की योजना को भी स्थगित कर दिया है। आलमगीर ने कहा कि वो बुधवार रात अचानक बीमार पड़ गईं। इसलिए डॉक्टरों की सलाह पर शनिवार की स्वतंत्रता सेनानियों की रैली स्थगित कर दी गई। रैली की घोषणा बीएनपी के राष्ट्रवादी स्वतंत्रता सेनानी दल ने की थी। यह रैली राजधानी के अगरगांव में बंगबंधु अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र पर होनी थी।

संवाददाता सम्मेलन में मौजूद खालिदा जिया के निजी चिकित्सक प्रो. एजेडएम जाहिद हुसैन ने कहा कि उनका इलाज गुलशन स्थित घर में चल रहा है। बीमारी के कारण उनकी विदेश यात्रा भी टाल दी गई है। बीडीन्यूज24डॉटकॉम के अनुसार, भ्रष्टाचार के एक मामले से जुड़े आरोपों से मुक्त होने के बाद 29 अक्टूबर को बताया गया था कि खालिदा जिया इलाज के लिए विदेश जाएंगी। उन्हें इसी महीने की शुरुआत में लंदन में अपने बेटे तारिक रहमान से मिलने जाना था। इसके लिए एक विशेष एयर एम्बुलेंस का इंतजाम किया गया था। खालिदा को सऊदी अरब उमरा करने भी जाना था। अंतरिम सरकार ने आश्वासन दिया था कि बीएनपी प्रमुख को अपनी मेडिकल टीम के साथ विदेश में इलाज की सुविधा के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में वह सारी सहायता मिलेगी जिसकी वह हकदार हैं। 79 वर्षीय खालिदा जिया लीवर सिरोसिस, हृदय रोग, फेफड़ों, गठिया, गुर्दे और और मधुमेह की समस्या से जूझ रही हैं।

पिछले चार वर्ष में उन्हें कई बार ढाका के एवर केयर अस्पताल में लंबे समय तक इलाज कराना पड़ा। आठ फरवरी, 2018 को बीएनपी प्रमुख को जिया अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी। अक्टूबर में हाई कोर्ट ने सरकार की अपील की सुनवाई के बाद सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। इसके बाद जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में उन्हें सात साल की जेल की सजा सुनाई गई। बीएनपी प्रमुख को 2020 में कोरोना महामारी के बीच सरकारी आदेश पर जेल से रिहा कर दिया गया।

उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी ड्रोनों के खिलाफ निगरानी चौकियां बनाई - कीव

एजेंसी

सोल। यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई के लिए रूस भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी ड्रोनों का पता लगाने के लिए और अधिक निगरानी चौकियां स्थापित की हैं। यूक्रेन की सैन्य खुफिया सेवा ने यह जानकारी दी है। ऐसी खबरें हैं कि उत्तर कोरियाई सेना को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है।

यूक्रेन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईयू) ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर यह खुलासा किया, जब अमेरिका ने पहली बार पुष्टि की कि यूक्रेन के खिलाफ रूसी सेना के साथ-साथ उत्तर कोरिया को भी काफी नुकसान हुआ है। डीआईयू के बयान में कहा गया है, गंभीर नुकसान झेलने के बाद, डीपीआरके (उत्तर कोरिया) की इकाइयों ने यूक्रेन के सुरक्षा और रक्षा बलों के ड्रोन का पता लगाने

के लिए अतिरिक्त निगरानी चौकियां स्थापित करनी शुरू कर दी। उसने बताया कि पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र कुर्स्क में रूस अब भी उत्तर कोरियाई सैनिकों का उपयोग कर रहा है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सेना के कर्मियों द्वारा लगातार हमला करने वाले समूहों का जमा होना यह दर्शाता है कि मास्को आक्रामक कार्रवाइयों की गति को खोना नहीं चाहता है।÷

उसने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक मोर्चे पर अपनी पहचान के लिए लालफीताशाही का इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने सांसदों को बताया कि रूस भेजे गए कम से कम 100 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं। वहीं, करीब 1,000 के घायल होने का अनुमान है। राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने मरने वालों में ज्यादातर के लिए इस तथ्य को जिम्मेदार ठहराया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों का ड्रोन के साथ उनके अनुभव की कमी के कारण अपरिचित युद्धक्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति के हमलावर बलों के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि रूस की सेना ने शिकायत की है कि ड्रोन के बारे में उनकी अज्ञानता के कारण उत्तर कोरियाई सैनिक बोझ हैं। एनआईएस के अनुसार, कुर्स्क सीमा क्षेत्र में तैनात अनुमानित 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों में से कुछ को वास्तविक युद्ध में भेजा गया था।

दक्षिण कोरिया के ग्लोबल स्टार्टअप फेस्टिवल में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया

एजेंसी

सियोल। भारतीय व्यापार संवर्धन से संबद्ध एक शीर्ष प्रतिनिधिमंडल ने अगले साल नई दिल्ली में होने वाले स्टार्टअप महाकुंभ 2025 हिस्सा लेने के लिए कोरिया के सरकारी अधिकारियों और स्टार्टअप सीईओ को निमंत्रण दिया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित ग्लोबल स्टार्टअप फेस्टिवल में हिस्सा लिया। इस दो दिवसीय आयोजन का समापन 12 दिसंबर को हुआ। द कोरिया टाइम्स की आज की खबर के अनुसार, भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार आरती भटनागर के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में स्टार्टअप इंडिया टीम के प्रतिनिधि और विभिन्न भारतीय स्टार्टअप के सदस्य शामिल रहे। उद्घाटन समारोह के बाद दक्षिण

कोरिया के मंत्री ओह यंग-जू ने भारतीय स्टालों का निरीक्षण किया।भारतीय स्टार्टअप क्रिप्टन ने एआई की प्रस्तुति दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्टार्टअप मंत्रालय के उपमंत्री लिम जंग-वूक से भी मुलाकात की। भारतीय राजदूत अमित कुमार ने भी स्टार्टअप क्षेत्र और सहयोग के संभावित क्षेत्रों में कोरिया और भारत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के दूतावास के प्रयासों के बारे में जानकारी देने के लिए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भारत की राजधानी नई दिल्ली में तीन दिवसीय स्टार्टअप महाकुंभ 2025 का आगाज चार अप्रैल को होगा।

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में 11 आतंकवादी मारे

एजेंसी

रावलपिंडी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने मुल्क के सबसे ज्यादा अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन अलग-अलग अभियानों में 11 ख्वारिज (आतंकवादी) को मार गिराया। न्यूज ने अपनी खबर में पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले

से यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार, ख्वारिज की मौजूदगी की सूचना पर टैंक जिले में सुरक्षा बलों ने एक खुफिया आधारित ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सैनिकों ने उनके ठिकानों पर कब्जा कर सात ख्वारिज मार गिराए। एक अन्य खुफिया आधारित ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले के सामान्य क्षेत्र दत्ता खेल में चलाया गया। यहां सुरक्षा बलों ने दो ख्वारिज को गोलियों से छलनी कर दिया। तीसरी मुठभेड़ मोहमंद जिले के सामान्य क्षेत्र ममद गत में हुई। यहां दो ख्वारिज मारे गए। आईएसपीआर के अनुसार, आतंकियों के ठिकानों से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है।

फ्रांस में गिसेले पेलिकॉट बलात्कार मामले में दोषी 51 पुरुषों को सजा : अभियोजक द्वारा सुझाई गई सजा को किया कम

एजेंसी

सैयद हबीब। सैयद हबीब फ्रांस के एविग्नन में गिसेले पेलिकॉट बलात्कार मामले में 51 अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया। यह मामला न केवल कानूनी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी गहरे सवाल उठाता है। इस मामले में, अधिकांश अभियुक्तों को आठ से दस साल की सजा सुनाई गई, जो कि सरकारी अभियोजक द्वारा सुझाई गई 10 से 18 साल की सजा से कम है। इन सज़ाओं की तुलना में, कुछ अभियुक्तों को अधिक सजा मिली, जबकि कुछ को उनकी स्वास्थ्य स्थितियों के कारण सजा स्थगित कर दी गई। इस पूरी प्रक्रिया के परिणामों पर एक गहरी नज़र डालना आवश्यक है, ताकि यह समझा जा सके कि न्याय प्रणाली और समाज के भीतर क्या हो रहा है। मामले में दोषी पाए गए व्यक्तियों में कुछ नाम विशेष रूप से चर्चा में आए हैं। गिसेले पेलिकॉट के पूर्व पति, डोमिनिक पेलिकॉट को सबसे कठोर सजा मिली है– 20 साल की सजा। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने एक दशक तक अपनी पत्नी को नशीला पदार्थ देकर बलात्कार किया और अन्य पुरुषों को भी उनके घर में शामिल किया। यह तथ्य साफ तौर पर यह दर्शाता है कि इस अपराध का एक लंबा इतिहास था, जो कई सालों तक छुपा रहा। डोमिनिक पेलिकॉट की भूमिका इस मामले के पूरे परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी स्वीकारोक्ति ने अन्य अभियुक्तों को भी उजागर किया। इसके अलावा, जीन-पियरे मारेचल जैसे अभियुक्त ने खुद को दोषी पाया, लेकिन उसने यह स्वीकार किया कि उसने सिर्फ सुश्री पेलिकॉट के साथ बलात्कार नहीं किया, बल्कि उसने अपनी पत्नी को नशीला पदार्थ देकर बलात्कार किया और डोमिनिक पेलिकॉट को भी इसमें शामिल किया। उन्हें 12 साल की सजा सुनाई गई, जबकि अभियोजक ने 17 साल की सजा की सिफारिश की थी। यह स्थिति न्याय प्रणाली में सजा के निर्धारण के तरीके पर सवाल खड़ा करती है, क्योंकि अभियुक्त की सजा अभियोजन पक्ष की सिफारिश से कम थी। चार्ली आर्बो जैसे युवा अभियुक्त को भी 13 साल की सजा दी गई, जो इस मामले में सबसे कम उम्र के दोषियों में से एक थे। उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण बिंदु है, क्योंकि 22 साल की उम्र में उन्होंने इस अपराध को लगातार छह बार अंजाम दिया। यह संकेत करता है कि किस तरह से बलात्कार के अपराधी बर्बादी के लिए एक अंतहीन चक्र में फंस जाते हैं, और इसका समाधान सिर्फ सजा में नहीं, बल्कि समाज में ऐसे अपराधों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में भी है। गिसेले पेलिकॉट मामले में दोषी ठहराए गए व्यक्तियों के नाम और अपराधों की सूची, सामाजिक और कानूनी दृष्टिकोण से बहुत कुछ बताती है। पहला सवाल यह उठता है कि क्या अपराधियों को पर्याप्त सजा दी जा रही है? अभियोजन पक्ष ने 10 से 18 साल की सजा की सिफारिश की थी, लेकिन अधिकांश अभियुक्तों को आठ से दस साल की सजा मिली। इसका अर्थ यह हो सकता है कि न्याय प्रणाली को इस प्रकार के अपराधों के प्रति और सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। क्या यह सजा इस प्रकार के अपराधों के लिए सही और पर्याप्त हैं?

एमएलसी रामसूरत राजभर को शासन से मिली बड़ी जिम्मेदारी समर्थकों में हर्ष

आजमगढ़। विधान परिषद् सदस्य रामसूरत राजभर को तीन नई जिम्मेदारियां मिलने से समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। इसी के मद्देनजर विधान परिषद् द्वारा एमएलसी श्री राजभर को विधान परिषद् अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण एवं समाज कल्याण स्थायी समिति, व अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी समिति और कृषि स्थायी समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है।

उक्त के बावत जानकारी देते हुए उनके मण्डलीय प्रतिनिधि सौरभ उपाध्याय ने बताया कि आजमगढ़ के आजमगढ़ के फूलपुर तहसील अंतर्गत मक्खापुर गांव निवासी रामसूरत राजभर जी शुरू से ही जुझारू, संघर्षशील के साथ-साथ

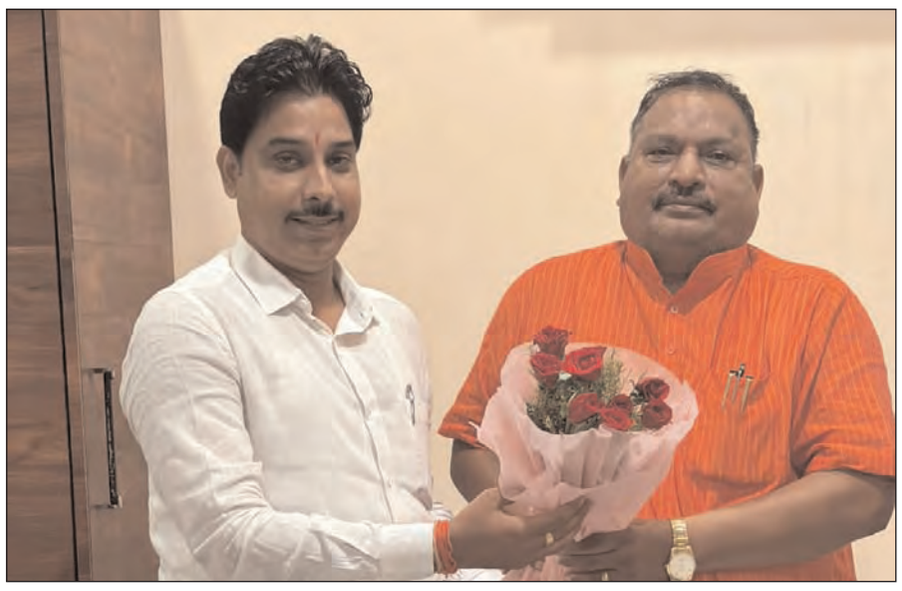

भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता रहे है। विधान परिषद् द्वारा दी गई तीनों जिम्मेदारियां अहम है इसके माध्यम से श्री राजभर अब विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी संगठनों में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के प्रतिनिधित्व की स्थिति की समीक्षा कर सकेंगे, इन जातियों के लिए सुधार लाने के लिए सिफारिशें आदि करके इनके उत्थान को लेकर प्रयास करेंगे। साथ ही अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए एक संसदीय समिति जो सरकारी संगठनों और मंत्रालयों में इन समुदायों के प्रतिनिधित्व की स्थिति की समीक्षा करती हैं। तीसरी कृषि अनुसंधान पर स्थायी समिति के सदस्य के माध्यम से वह भारतीय संसद में, स्थायी समितियां संसद सदस्यों से मिलकर बनी समितियां नियमित रूप से कार्य करते हुए संसद के अधिनियमों और कार्य संचालन के नियमों के मुताबिक कार्यो में अपनी भूमिका निभाएंगे।

सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए विधान परिषद् सदस्य रामसूरत राजभर ने कहा कि मुझे जो भी जिम्मेदारियां मिलेंगी उस पर खरा उतरने का कार्य करेंगे और पारदर्शिता के साथ सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की कड़ी को आगे बढाएंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि जो सम्मान मुझे मिला है उससे पूरे पूर्वांचल का मान बढ़ा है। मैं सभी के प्रति आभारी रहूंगा।

बधाई देने वालों में मुख्य रूप से मंडलीय प्रतिनिधि सौरभ उपाध्याय, निजी सचिव श्रवण मौर्य, विक्की यादव, अच्युतानंद त्रिपाठी, फरहान अहमद, डॉ अनुराग तिवारी, अनिरुद्ध यादव, अरविंद सिंह , हरि गोविंद तिवारी आदि मौजूद रहे

नही रहे प्रखर मानस वक्ता डा मंगला सिंह

हृदय गति रुकने से हुआ निधन

जहानागंज आजमगढ़ क्षेत्र के तुलसीपुर गाँव निवासी मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष,प्रखर मानस वक्ता एवं बजरंग सेवा समिति के अध्यक्ष डा मंगला सिंह का गुरुवार को करीब 9 बजे हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया जिससे पुरे क्षेत्र मे शोक की लहर दौड़ गयी। जानकारी के अनुसार डॉक्टर मंगला सिंह ने गुरुवार को प्रातः प्रतिदिन की भाँति घर का सारा काम किया और जानवरों को खिलाने के बाद पोखरे पर उन्होंने कुछ लोगों से बातचीत भी किया किसी को यह पता नहीं था कि उनसे बात करने वाला व्यक्ति आज सब को छोड़कर चला जाएगा इसके पश्चात जब घर के अंदर गए तो उन्होंने अपनी बेटी और पत्नी से भी बातचीत किया और कुछ देर बाद उन्हें सीने में दर्द महसूस हुई

और जब तक परिजन निजी वाहन से उन्हें किसी अस्पताल ले जाने की व्यवस्था करते तब तक वे बेहोश हो गए आनन फानन मे परिजनों ने उन्हें जिले के डॉक्टर पुष्कर सिंह के अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने हार्ट अटैक से मौत घोषित कर दिया मानस वक्त के निधन की खबर जैसे ही क्षेत्र में फैली तमाम संत महात्मा एवं मानस के तमाम विद्वत जन भी उनके निवास पर पहुंच गए और क्षेत्र के भी तमाम लोग शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे आस-पास के कई गांव में कुछ ऐसे गरीब परिवार भी है जिनकी वह हर तरीके से मदद करते थे उन परिवारों की महिलाएं भी चीख चीख कर रो रही थी । डॉक्टर साहब के साधना सिंह व बन्दना सिंह दो पुत्री और सुदीप सिंह दीप एक पुत्र था। पत्नी रतीभान सिंह के करुण क्रंदन से वहां उपस्थित जनमानस की आंखें छल छला उठी । जहानागंज चिकित्सक संगठन के अध्यक्ष भी थे समस्त चिकित्सक अपनी अपनी डिस्पेंसरियां बंद कर वहां उपस्थित थे और नम आंखों से अपने साथी को विदा कर रहे थे उनके शव यात्रा में दूर दराज के लोग भी उपस्थित थे। उनका अंतिम संस्कार गाजीपुर के घाट पर किया गया और मुखाग्निक उनके पुत्र सुदीप सिंह ने दिया

नौव्वागढ़ी में पत्नी के साथ रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भाई ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

बहराइच। शहर के मोहल्ला ब्राह्मणीपुरा निवासी एक युवक पत्नी और बच्चों के साथ नौव्वागढ़ी मोहल्ला में रहता था। बुधवार की रात वह घायल अवस्था में घर लौटा और सो गया गुरुवार की सुबह वह मृत अवस्था में मिला। मृतक के भाई ने हत्या की आशंका जताते हुए मौत पर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार थे सेवा निवृत होने के कुछ वर्ष बाद उनकी मौत हो गई।

मृतक सौम्य श्रीवास्तव उर्फ अनुज (38) अपने परिवार के साथ मोहल्ला नौवागढ़ी में रहते थे। वह कृष्णा ऑटो एजेंसी दरगाह में मैनेजर के पद पर तैनात थे। बुधवार शाम को छह से सात के मध्य घर पहुंचे। इनके सिर में चोट लगी थी। फिर यह सो गए और इनकी मौत हो गई। बड़े भाई पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार सुबह मोहल्ले के लोगों ने फोन पर भाई के मृत होने की सूचना दी। जिस पर वह मौके पर गए और भाई को जिला अस्पताल लाए तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पंकज ने छोटे भाई की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष परमानंद तिवारी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

सौम्य ने की थी इंटर कास्ट लव मैरिज

मृतक सौम्य श्रीवास्तव ने लव मैरिज विवाह गैर बिरादरी में की थी। वह दो बच्चों और पत्नी के साथ किराए के मकान में रहते थे। भाई ने मृतक की पत्नी पर सूचना न देने पर सवाल उठाया।

एसएसबी व पुलिस की समन्वय बैठक में मानव तस्करी समेत अन्य अपराधों के नियंत्रण पर चर्चा

बहराइच। उपमहानिरीक्षक, एसएसबी की अध्यक्षता में सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारीगणों के साथ पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला द्वारा समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित एसएसबी व पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। 42वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल बहराइच में 209 सेक्टर स्तरीय एलआईए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वी.विक्रमन उप महानिरीक्षक, एसएसबी, सेक्टर मुख्यालय, लखीमपुर खीरी द्वारा की गई। बैठक में भारत-नेपाल सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। इनमें रुपईडीहा लैंड पोर्ट से तस्करी के मामलों में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु समस्त सम्बन्धित एजेंसियों को संयुक्त रूप सूचना एकत्रित कर बड़े तस्करों पर कार्यवाही करने का प्रयास करना चाहिए जिससे कि भारत-नेपाल सीमा पर किसी प्रकार की अवैध गतिविधि न हो सके और न ही इसका दुरुपयोग हो सके। मानव तस्करी के मामले अक्सर ही बड़ी संख्या में देखने को मिल रहें हैं जिसमें पीड़िता और अभियुक्त दोनों को नेपाल राष्ट्र की पुलिस को वापस कर दिया जाता है, जिस कारण उनपर प्रभावी कार्यवाही नहीं हो पाती। साथ ही यह भी देखने में आया है कि ऐसे मामलों में पीड़िता के परिजन ही अक्सर तस्करी हेतु स्वीकृति प्रदान करते हैं। मीटिंग मे तस्करी की गयीं नाबालिग लड़कियाँ को भारतीय पुलिस को सुपुर्द किये जाने हेतु अनुरोध किया गया जिससे कि उनपर प्रभावी कार्यवाही अमल में लायी जा सके। इसके अतिरिक्त सीमा क्षेत्र में नेपाल से आने वाली सभी जमातों पर नजदीकी से सतर्क निगरानी हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि किसी प्रकार की राष्ट्र अथवा समाज विरोधी गतिविधियाँ न पनपन सकें। बैठक में एसएसबी के उच्चाधिकारीगण, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, खुफिया एजेंसियों, वन विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। महोदय द्वारा सभी विभागों के बीच आपसी समन्वय को और मजबूत बनाने तथा सीमा सुरक्षा को प्रभावी बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए, साथ ही निर्देशित किया गया कि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए तस्करी, मानव तस्करी, और अन्य

पर्यटन मंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री ने वाजपेयी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा भारत रत्न स्व0 अटल जी ने अपने जीवनकाल में राष्ट्र का मस्तक गर्व से ऊंचा किया। वह पहले ऐसे विदेश मंत्री थे, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण दिया। अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्र के विकास के लिए जो कार्य किए, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। पर्यटन मंत्री भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने भारत को जिन ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया था, उसे देश की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार पूरा कर रही है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के अनुरूप निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। जयवीर सिंह ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। केन्द्र व राज्य सरकार भारत को वर्ष 2047 तक पुनः: विश्व गुरु का सम्मान दिलाने के लिए कार्य कर रही है। देश को सामरिक और आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि आजादी के शताब्दी वर्ष तक भारत दुनिया का विकसित राष्ट्र बनेगा।

दिन दहाड़े तेंदुए ने खेत में चर रही दो बकरियों को मार डाला, ग्रामीणों में दहशत

बहराइच। जंगल से सटे गांवों में रात के समय जंगली जानवरों के हमले रोकने के लिए बड़े पैमाने पर एलईडी लगवा रहा है। वहीं जंगल से निकलकर एक तेंदुए ने मिहींपुरवा नगर में दस्तक देकर दिन दहाडे पालतू मवेशियों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो बकरियों की मौत हो गई। इस हमले से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में मोतीपुर रेंज के अन्तर्गत मिहींपुरवा नगर के वार्ड नंबर पांच में गुरुवार को दिन दहाडे. अपराह्न लगभग तीन बजे एक तेंदुए नें खेत में चर रही दो बकरियों पर हमला कर शिकार बना लिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी । जिसके बाद वन दरोगा देवता दीन तिवारी तथा वाचर अवधेश मौके पर पहुंचे। वन कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को जागरुक करते हुए सचेत रहने की सलाह दी है।

ठंड से बचाव के लिए गोवंशों के लिए की जाय फुलप्रूफ व्यवस्था

पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने विभागीय अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बहराइच। पशुपालन विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं, निराश्रित गोवंश तथा वृहद गो संरक्षण केन्द्र के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता करती हुई जिलाधिकारी मोनिका रानी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निराश्रित गोवंशों को आस-पास के आश्रय स्थलों में संरक्षित किये जाने के निर्देश दिए। विदित है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में निराश्रित गोवंश को पकड़कर आसपास के आश्रय स्थलों में संरक्षित किए जाने हेतु पूर्व में अभियान चलाया गया था। उक्त अभियान में कम संख्या में गोवंशों को पकड़े जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि लक्ष्य निर्धारित कर मुख्य मार्गों एवं हाई-वे को निराश्रित गोवंशों से मुक्त कराये जाने हेतु अधिक से अधिक गोवंशों को पकड़ कर एक सप्ताह में अस्थाई गो आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाय। डीएम ने मुख्यमंत्री सहभागिता योजना अन्तर्गत गोदान परिवारों को किये जाने वाले भुगतान की समीक्षा करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि 02 दिवस के अन्दर लाभार्थियों के खातों में धनराशि अन्तरित की जाये अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्रवाई की जायेगी।गो आश्रय स्थलों का रात्रि में भ्रमण न किये जाने पर डीएम ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अधिकारी गो आश्रय स्थलों का रात्रिकालीन औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहें और सभी प्रबंध मानक के अनुरूप कराएं। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान सभी बिन्दुओं यथा चारा, पानी, रहने इत्यादि व्यवस्थाओं को देंखे। डीएम मोनिका रानी ने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्वयं भी नियमित रूप से गो आश्रय स्थलों का निरीक्षण करें तथा प्रत्येक माह बीडीओ, पशुपालन विभाग के अधिकारियों तथा अन्य सम्बन्धित के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार चारा, पानी, रहने की समुचित व्यवस्था, तिरपाल, शेड, अलाव व ईलाज इत्यादि का प्रबन्ध सुनिश्चित कराएं। डीएम ने यह भी कहा कि शीत ऋतु को देखते हुए गोआश्रय स्थलों में तिरपाल व टीनशेड की विशेष व्यवस्था करायी जाय तथा पशुओं को ठंड से बचाने के लिए वहां पर अलाव की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि गौशालाओं में संरक्षित गौवंशो में शत प्रतिशत ईअर टैकिंग कराएं तथा केसीसी लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें।डीएम ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी गो आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी स्थापना का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाये साथ ही क्षेत्र पंचायतों में आवश्यकतानुसार कैटल कैचर क्रय करते हुए समस्त क्षेत्र पंचायतों में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि सत्यापन कार्य हेतु प्रथमतः मौके पर जाकर भौतिक निरीक्षण किया जाए तदुपरांत मानक के अनुरूप उल्लिखित विशिष्टताओं की पूर्णता के आधार पर ही सत्यापन की कार्यवाही की जाय। डीएम ने बीडीओ को निर्देश दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित मानक के अनुसार गोआश्रय स्थलों पर सभी व्यवस्थाएं विशेषकर हरा चारा का प्रबन्ध सुनिश्चित किया जाए। गो आश्रय स्थल पर चारागाह हेतु उपलब्ध भूमि पर यदि अतिक्रमण है तो उसे तत्काल खाली कराएं और वहां पर संरक्षित गोवंशों के लिए हरे चारे की बुआई करा दी जाय।

उपेंद्र सिंह (गुड्डू) को जय भारत मंच का बनाया गया काशी प्रांत अध्यक्ष

वाराणसी :- मार्गदर्शक इंदेश कुमार (अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ,नई दिल्ली) ने उपेंद्र सिंह गुड्डू को उत्तर प्रदेश के काशी प्रांत का अध्यक्ष बनाया गया ` विषयान्तर्गत लेख है कि जय भारत मंच संगठन के प्रति आपकी कर्तव्यनिष्ठा,नेतृत्व कौशल व जनकल्याण के कार्यक्रमों में भागीदारी को दृष्टिगत रखते हुए संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी के रूप में आपकी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु संगठन के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार (अखिल भारतीय कार्यकारिणी

सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नई दिल्ली) व राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पराज जी तिवारी की सहमति व नरेन्द्र जी शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की अनुसंशा से काशी प्रांत कि घोषणा की है जय भारत मंच के वरिष्ठ महामंत्री वाराणसी संपूर्णा नंद पाण्डेय और मंडल अध्यक्ष अजय मिश्रा ने शुभकामनाएं दी संस्था के उच्च पदाधिकारी ने कहा कि हमे पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन के द्वारा पदत्त दायित्व का निर्वहन जिम्मेदार पदाधिकारी के रूप में करते हुए संगठन के जन कल्याणकारी कार्यों व राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान करेंगे जय भारत मंच परिवार आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हैं

अमर शहीद राम प्रसाद 'बिस्मिल' को बलिदान दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

मुरैना: चंबल संग्रहालय, पंचनद के महानिदेशक और महुआ डाबर एक्शन (10 जून 1857) के महानायक पिरई खां वंशज डॉ. शाह आलम राना ने अपने साथियों के साथ क्रांतियोद्धा राम प्रसाद 'बिस्मिल' के 97 वें बलिदान दिवस पर उनके पैतृक गांव बरवाई जाकर महान क्रांतिवीर को सलामी दी.

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए डॉक्टर शाहआलम राना ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष पर चंबल म्यूजियम की ओर से चल रहे अभियान की जानकारियां दीं। कहा कि फांसी से महज दो दिन पूर्व लिखी अमर शहीद राम प्रसाद "बिस्मिल" की आत्मकथा को सभी नौजवानों को अवश्य पढ़नी चाहिए और शहीदों को सपने को साकार करने के लिए अपना योगदान देना चाहिए.

इस अवसर पर क्रांतिकारी दस्तावेजी लेखक डॉ. शाह आलम राना को आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया. बताते चलें कि दो दिन पूर्व ही अंबाह, मुरैना में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का आयोजन चंबल संग्रहालय की ओर से किया गया था।

चंदनी पब्लिक स्कूल में साप्ताहिक खेल-कूद प्रतियोगिता शुरू

भांवरकोल /गाजीपुर। क्षेत्र के सुरतापुर सुर स्थित चंदनी पब्लिक स्कूल में साप्ताहिक खेल-कूद प्रतियोगिता के आयोजन की शुरूआत हुई। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर नवीन कुमार राय ने फीता काटकर स्पोर्ट्स की शुरूआत की। जिसमें पहले दिन क्रिकेट , 100 मीटर रेस, बॉल रेस , बैडमिंटन आदि खेलों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर डायरेक्टर नवीन कुमार राय ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेल प्रतियोगिता का

आयोजन भी बेहद जरूरी है। इससे बच्चों में खेल में स्पर्धा पनपती है। जिससे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। इस अवसर पर प्रिंसिपल प्रवीण पीयूष राय, मधाई सरकार, आशुतोष राय, नाजिया नाज, झूलन यादव,पंचम राय, दीपमाला सरकार, नागेंद्र यादव,संजय कुशवाहा, सोनाली पटेल, शबाना खातून, अनुभव शर्मा, बिपुल पांडेय, प्रमोद यादव, रामचंद्र, गुलाफसा बानो, अरविंद राय, अंजलि पासवान,ज्योति तिवारी,रानी राय, अरुण साहू आदि उपस्थित रहे।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद
दानिश फारुक्की ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

शासन के निर्देश पर जिले के 6350 जरूरतमंदों को मिले कम्बल

सुशासन सप्ताह 2024- प्रशासन गांव की ओर अभियान का जिले में शुरू

बहराइच। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2024 तक की अवधि में जनपद में सुशासन सप्ताह 2024-प्रशासन गांव की ओर अभियान का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन सप्ताह के प्रथम दिन शासन द्वारा शीतलहरी/ठण्ड/पाला के दौरान निराश्रित/असहाय/कमजोर वर्ग के असुरक्षित/गरीब व्यक्तियों/परिवारों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से शासन के निर्देश व डीएम मोनिका रानी के मार्गदर्शन में जिले की समस्त तहसीलों की ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों के वार्डो में नामित नोडल अधिकारियों के पर्यवेक्षण में वृहद कम्बल वितरण कार्यक्रम संचालित हुआ।

अभियान के तहत तहसील सदर बहराइच अन्तर्गत 813, कैसरगंज में 1075, महसी में 880, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में 1035, नानपारा में 825 एवं तहसील पयागपुर में 850 कुल 5478 जीरो पावर्टी स्कीम/पेंशन योजना जैसे वृद्धावस्था/विकलांग/विधवा हुए अधिकारियों के पर्यवेक्षण में कम्बल का वितरण किया गया।

पुण्यतिथि पर देश भर के पुस्तकालयों में पहुंची कालचक्र

प्रयागराज। वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार स्वर्गीय राकेश कुमार वर्मा नूतन की चौथी पुण्यतिथि पर हाल ही में उनके द्वारा लिखित साहित्यिक समग्र संकलन कालचक्र : एक प्रारब्ध को साहित्यिक प्रेमियों एवं शोधार्थियों की विशेष अभिरुचि मिल रही है, चालीस वर्ष पूर्व समसामयिक विषयों एवं तत्कालीन समाज का परिदृश्य दिखाती हुई यह पुस्तक न सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बल्कि देश और विदेश में भी काफी पसंद की जा रही है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की केंद्रीय

लाइब्रेरी में छात्र हित के लिए यह पुस्तक पंजीकृत की गई है साथ ही संगठक कॉलेज सीएमपी डिग्री कॉलेज तथा संस्थाओं जिनमें मुख्य रूप से राजकीय संग्रहालय, हिंदुस्तानी अकादमी, भारती भवन, हिंदी साहित्य सम्मेलन, खत्री पाठशाला ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के साथ-साथ मध्य प्रदेश, पुणे, दिल्ली और महाराष्ट्र के अलग-अलग छह विश्वविद्यालय ने इस साहित्यिक पुस्तक को अपने पुस्तकालय में जगह दी है। द्वारा विश्वविद्यालय के राजभाषा विभाग में भी जगह पाने में सफल हुई है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी